दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 28 रविवार 17 अगस्त 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

यू.डब्लू.पी.ए. प्रदेश सचिव बने प्रेम शंकर

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । यूनाइटेड वेलफेयर फार्मासिस्ट एसोसिएशन 'यू.डब्लू.पी.ए.' के प्रदेश अध्यक्ष नवीन कुमार वर्मा ने प्रेम शंकर उर्फ पी.एस. पाठक को प्रदेश सचिव का दायित्व सौंपा है। पी.एस. पाठक ने कहा कि एसोसिएशन ने उन्हें जो दायित्व सौंपा है उसका पूरी निष्ठा से पालन करने के साथ ही फार्मासिस्टों की समस्याओं के समाधान के लिये रचनात्मक संघर्ष और तेज किया जायेगा।

प्रेम शंकर उर्फ पी.एस. पाठक को प्रदेश सचिव बनाये जाने पर प्रदीप कुमार शुक्ल, मुनीत त्यागी, अमर दीप सिंह, सज्जन कुमार गौड़, इन्द्रजीत सिंह, देवनाथ पाठक, रवि वर्मा, सुशील मिश्रा, अमित त्रिपाठी, नीलू पाठक, विजय शर्मा, विवेक शुक्ल लवकुश त्रिपाठी, धर्मवीर चौधरी आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

पंच महायज्ञों से जीवन होता है सुखमय-आचार्य विश्वव्रत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । आर्य समाज नई बाजार बस्ती द्वारा आयोजित श्रावणी उपाकर्म एवं वेद कथा का समापन आचार्य विश्वव्रत के सानिध्य में पूर्णाहुति यज्ञ के साथ हुआ जिसमें संतोष कुमार संगीता पाण्डेय मुख्य यजमान रहे। वेदपाठ के पश्चात यज्ञ कराते हुए आचार्य विश्वव्रत ने बताया कि गृहस्थ आश्रम में रहकर यदि गृहस्थ पूर्ण समर्पण के साथ पंच महायज्ञ करता है तो उसे गृहस्थ आश्रम में ही ईश्वर का साक्षात्कार, अनुभव, आनन्द व मोक्ष की प्राप्ति संभव है। कहा कि हवन द्वारा पंचमहाभूतों की शुद्धि करना चाहिए। हम प्रतिदिन मल, मूत्र, स्नान,वस्त्र प्रक्षालन करके वायुमंडल को दूषित करते हैं उस पाप से बचने के यज्ञ ही एकमात्र उपाय है। स्वामी श्रद्धानंद वैदिक भजनोपदेशक के भजनों ने जनता में अपार भक्ति रस का संचार किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने हवन के महत्व को जाना और इसके प्रभाव से समाप्त होने वाले रोगों के विषय में जानकारी प्राप्त की।

प्रधान ओम प्रकाश आर्य ने कहा कि जन्माष्टमी के सायंकालीन सत्र में योगेश्वर श्रीकृष्ण के विराट व्यक्तित्व तथा उनके वास्तविक स्वरूप के बारे में विस्तृत चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर डॉ शशिकला श्रीवास्तव पूर्व प्रधानाचार्या आर्य कन्या इण्टर कालेज बस्ती, नितीश कुमार, दिलीप कुमार कसौधन, रोहिणी, शिवांग पाण्डेय, दृष्टि मोदनवाल, नीलम मिश्रा, शताक्षी मिश्रा, अश्कृता मिश्रा, राधा देवी, महिमा आर्य, राधेश्याम आर्य, घनश्याम आर्य, देवव्रत आर्य, गणेश आर्य, उपेंद्र शर्मा, तनु शर्मा, राजेश्वरी, रिमझिम, मानसी आर्य, वैष्णवी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । बस्ती। शुक्रवार की दोपहर बाद कप्तानगंज थाना क्षेत्र के ओझा गंज गांव में एक 30 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हालत बिगड़ी तो परिजन के लोग उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज ले गए जहां महिला की मौत हो गई। ससुराल के लोग शव लेकर घर पहुंचे तो मायके के लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी। सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया।

जन्माष्टमी पर सीएम योगी ने मथुरा को दिया 6 अरब की सौगात, 80 योजनाओं का लोकार्पण

मथुरा (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर मथुरा को छह अरब से ज्यादा करीब 646 करोड़ रुपये की 118 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इसमें 80 योजनाओं को सीएम योगी ने लोकार्पण किया। सीएम योगी भगवान श्रीकृष्ण के 5252वें जन्मोत्सव पर मथुरा के डैम्पियर नगर में स्थित पांचजन्य सभागार में आयोजित साधु–संतों के सम्मान समारोह में भी पहुंचे। बृजक्षेत्र के समग्र विकास के लिए 30 हजार करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने बृजक्षेत्र के समग्र विकास के लिए 30 हजार करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं की घोषणा करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं के माध्यम से मथुरा, वृंदावन, बरसाना और गोकुल जैसे तीर्थ स्थलों को द्वापर युग की स्मृतियों से जोड़ा जाएगा।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार संतों की भावनाओं का सम्मान करने और बृजक्षेत्र को संवर्धित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम उन कार्यों को संभव बना रहे हैं, जिन्हें कभी असंभव माना जाता था। मुख्यमंत्री ने मथुरा–वृंदावन के लिए 80 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इनकी लागत करीब 273 करोड़ रुपये है। इसके अलावा उन्होंने 38 परियोजनाओं का शिलान्यास किया, जिनकी लागत करीब 373 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं में परिक्रमा मार्गों का सौंदर्यीकरण, प्रवेश द्वार, कुंडों का जीर्णोद्धार, श्रद्धालुओं की सुविधा, कनेक्टिविटी, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मथुरा में श्रीकृष्ण के जन्मस्थान पहुंचकर दर्शन किए और देश–विदेश से आए श्रद्धालुओं को संबोधित किया।उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के धर्म पथ पर चलकर जनता और देश के कल्याण के लिए कार्य करें। मुख्यमंत्री ने इस दौरान सनातन धर्म की विरासत के संरक्षण और आधुनिक विकास के बीच संतुलन बनाने की बात कही, साथ ही अपनी सरकार की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया।

पूर्वाह्न करीब 11.50 बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचे मुख्यमंत्री ने सबसे पहले ठाकुर केशवदेव और माता योगमाया के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने गर्भगृह में श्रीकृष्ण चबूतरे की पूजा–अर्चना की। दर्शन के बाद उन्होंने श्रद्धालुओं से भरे परिसर में सभा को संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वृंदावन बिहारी लाल और जय श्री राधे के जयकारे लगाए।

उन्होंने श्रीकृष्ण के 5252वें जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा, "यह बृजभूमि भगवान विष्णु के पूर्ण अवतार श्रीकृष्ण की लीलाओं की भूमि है। यह हम सबका सौभाग्य है कि भगवान के कई अवतारों ने उत्तर प्रदेश की भूमि को कृतार्थ किया है।

चुनाव आयोग की प्रेस वार्ता रविवार को

नई दिल्ली (आभा)। भारत निर्वाचन आयोग 17 अगस्त (रविवार) को दोपहर 3 बजे नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस की जानकारी चुनाव आयोग के डायरेक्टर जनरल (मीडिया) की ओर दी गई है। माना जा रहा है कि चुनाव आयोग एसआईआर को लेकर उठे सवालों के जवाब दे सकता है।

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के अलावा किसी अन्य मुद्दे पर चुनाव आयोग द्वारा औपचारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करना असामान्य है। प्रेस कॉन्फ्रेंस का विषय अभी तक स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन अधिकारियों ने कहा है कि यह चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों से संबंधित है। राहुल गांधी बार–बार चुनाव आयोग पर मतदाता डेटा में हेरफेर करने का आरोप लगाते रहे हैं। उन्होंने दावा किया है कि महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा में 'वोट चोरी' हुई है।

गहरे पानी में डूबकर युवक की मौत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । शनिवार दोपहर एक युवक की डूबने से मौत हो गई। सोनहा थाना क्षेत्र की मेलानी उर्फ हिंदू नगर पुलिया पर यह घटना दोपहर 12.30 बजे हुई। मेलानी उर्फ हिंदू नगर के रहने वाले 25 वर्षीय मुकेश पुत्र बुधराम पुलिया पर नहा रहे थे। नहाते समय वह अचानक पानी के गहरे हिस्से में चले गए। उन्होंने बाहर निकलने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो पाए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। असनहरा चौकी प्रभारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकाला और मृतक की पहचान मुकेश के रूप में की। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना की खबर फैलते ही क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

एनसीआरटी ने तैयार किया नया माड्यूल, जिन्ना, कांग्रेस और माउंटबेटन को बताया विभाजन का दोषी

नई दिल्ली (आभा)। भारत के विभाजन पर एनसीईआरटी के नए विशेष मॉड्यूल ने देश के विभाजन के लिए कांग्रेस नेतृत्व पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी डाली है। इसमें कहा गया है कि उन्होंने विभाजन की योजनाओं को स्वीकार किया और 'जिन्ना को कम करके आंका, जबकि वे इसके बाद आने वाली दीर्घकालिक भयावहता का अनुमान लगाने में विफल रहे। इस अगस्त में विभाजन स्मृति दिवस के अवसर पर दो मॉड्यूल जारी किए गए, एक मध्य चरण के लिए और दूसरा द्वितीयक चरण के लिए।

मॉड्यूल में कहा गया है, 'भारत का विभाजन और पाकिस्तान का निर्माण किसी भी तरह से अपरिहार्य नहीं था।' इसके बजाय, उनका तर्क है कि तीन लोगों ने विभाजन को आकार दिया, 'जिन्ना, जिन्होंने इसकी मांग कीय कांग्रेस, जिसने इसे स्वीकार कियाय और माउंटबेटन, जिन्होंने इसे औपचारिक रूप दिया और लागू किया।' द्वितीयक चरण के मॉड्यूल में कहा गया है, 'किसी भी भारतीय नेता को राष्ट्रीय या प्रांतीय प्रशासन, सेना, पुलिस आदि चलाने का अनुभव नहीं था। इसलिए, उन्हें स्वाभाविक रूप से उत्पन्न होने वाली बड़ी समस्याओं का कोई अंदाजा नहीं था... अन्यथा, इतनी जल्दबाजी नहीं की जाती।'

उल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस का पर्व फहराया राष्ट्रध्वज, लगे भारत माता के जयकारे

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । स्वतंत्रता दिवस की 79वी वर्षगॉठ के अवसर पर सभी सरकारी, गैर सरकारी कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, राष्ट्रगान गाया गया। स्कूली छात्र–छात्राओं द्वारा प्रभातफेरिया निकाली गयी। इस अवसर पर 15 अगस्त अमर रहें तथा भारत माता की जय के नारों से वातावरण गूज उठा।

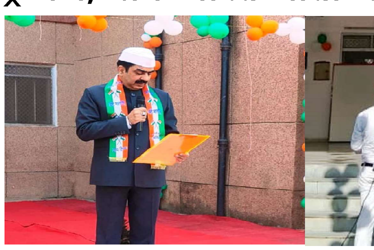

मण्डलायुक्त कार्यालय पर मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने ध्वजारोहण किया और सभी ने राष्ट्रीय तिरंगे का अभिवादन किया, राष्ट्रगान गाया गया। उन्होने सभाकक्ष में आयोजित गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हम स्वतंत्र एवं सुखद वातावरण में नये बदलाव के साथ कार्य कर रहे है। आज के इस पुनीत अवसर पर हमें संकल्प लेना है कि हम सभी तकनीकी विकास पर विषेष ध्यान दें ताकि हम संतुलित शक्ति में पूर्ण विकसित हो जायें।

उन्होने कहा कि प्रषासन के सभी अधिकारी–कर्मचारी एक पुनीत भाव से उत्तरदायित्वों का निर्वहन करें, आम जनमानस का स्वागत करें तथा सरलतापूर्वक गम्भीरता से उनकी समस्याओं की सुनवाई करते हुए समाधान करें। कार्य प्रणाली में सुधार लाने हेतु आत्मचिन्तन करे कि हम कैसे अधिक बेहतर ढंग से अपना कार्य कर सकते है। उन्होने कहा कि आज हमारा राष्ट्र विकसित देषों की श्रेंणी में अग्रसर है। इस विकास की संकल्पना तकनीकी विकास से ही संभव है। सभी नागरिक मानवी मूल्यों का समर्थन करें। पन्थ एवं सम्प्रदायों में ना बटे, एक रहें तथा दृढ संकल्प के साथ निर्धारित जिम्मेदारी का पालन करें।

सम्बोधन की कड़ी में अपर आयुक्त प्रषासन मनोज कुमार तिवारी, अपर आयुक्त न्यायिक सुरेन्द्र प्रसाद यादव, संयुक्त विकास आयुक्त कमलाकान्त पाण्डेय, अपर आयुक्त वित्त आत्म प्रकाष बाजपेयी, डीडी पंचायत समरजीत यादव ने भी सभा में अपने–अपने विचार व्यक्त कियें। सभाकक्ष में जीजीआईसी की छात्रा अनुष्का, नमिता तिवारी, पलक सोनी, रीत तुलस्यान, नुसरत फातिमा द्वारा षिक्षिका श्यामा देवी के नेतृत्व में ''एक बार सलामी दें दो उन जवानों के लिए'', देष भक्ति पूर्ण गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। मण्डलायुक्त द्वारा सभी छात्राओं व षिक्षिका को पुरस्कृत भी किया गया।

कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर न्याय सहायक रमेष चन्द्र कन्नौजिया, वैक्तिक सहायक बजरंग बली पाण्डेय, शैलेष श्रीवास्तव, संदीप यादव, अनुपम चौधरी, सुहेल अहमद, समीम अहमद, राजेष रसाल, ओम प्रकाष चौधरी, अमित उपाध्याय, सलभ श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव एवं विभागीय अधिकारी–कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

15 अगस्त की 79वी वर्षगॉठ पर कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी रवीष गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रीयध्वज का अभिवादन करते हुए सामूहिक राष्ट्रगान गाया गया तथा राष्ट्रीय एकता संकल्प दिलाया गया। तत्पश्चात् उन्होने राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर जी.जी.आई.सी. की छात्राओं ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी व अपर जिलाधिकारी तथा कलेक्ट्रेट के अन्य अधिकारियों द्वारा हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत बोर्ड पर हस्ताक्षर किया। इस अवसर पर उन्होने गॉधी कला भवन में पहुॅचकर महात्मा गॉधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा परिसर में पौधरोपण भी किया।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ने संविधान पर विस्तृत रूप से प्रकाष डाला तथा अपने सम्बोधन में कहा कि इस वर्ष हम आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मना रहे है। राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर आजादी के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर सेनानियों को याद करते हैं तथा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। एक सरकारी अधिकारी कर्मचारी के रूप में हमें जो दायित्व सौपा गया है, उसका भलीभॉति निर्वहन करें। हमारे सामने जो भी व्यक्ति समस्या लेकर आये, हम उसकी समस्या को गम्भीरता पूर्वक सुनकर उसकी समस्या का निदान करें।

अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान ने स्वतंत्रता बलिदानियों को याद करते हुए कहा कि आज हम उन्ही के कारण स्वतंत्र देष में रह रहे है। अधिकारीगण बड़ी आबादी में परीक्षा पासकर लोगों के बीच में आते है, उन्हें आम जनमानस के प्रति मृदुभाषी रहना चाहिए तथा अपने दायित्व का पूरी निष्ठा एवं ईमानादरी से कार्यो का निर्वहन करना चाहिए।

कार्यक्रम में सीआरओ कीर्ति प्रकाष भारती, एसडीएम न्यायिक शषि चन्द्र द्विवेदी, रष्मि यादव, ओएसडी रमाषंकर पटेल, जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, नाजिर जितेन्द्र श्रीवास्तव, सरदार जगवीर सिंह, आपदा विषेषज्ञ रंजीत रंजन, जीजीआईसी षिक्षिका मानवी सिंह सहित विभागीय अधिकारी/कर्मचारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

फोन पर बात कर रहा था जवान, खुद के ही राइफल से चल गई गोली, मौत

सीतापुर (आभा)। यूपी के सीतापुर स्थित 11वीं बटालियन पीएसी परिसर स्थित केंद्रीय आयुध भंडार के टॉवर पर ड्यूटी दे रहे जवान की शनिवार को गोली लगने से मौत हो गई। वॉच टॉवर पर ड्यूटी के दौरान फोन पर बात करते समय जवान की स्वयं की इनसास रायफल से गोली चलने के दौरान घटना हो गई। गोलियां ठुड्डी को चीरते हुए सिर के पार हो गईं। घटना में जवान की मौके पर ही मौत हो गई। आनन फानन में उसे जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी अंकुर अग्रवाल समेत पुलिस के अफसर जिला अस्पताल पहुंचे और मौके पर जांच पड़ताल की। परिजनों को सूचित करने के साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जनपद अमरोहा के निवासी हिमांशु सिंह केंद्रीय भंडार के वॉच टावर पर ड्यूटी दे रहे थे। इसी दौरान गोली चलने की आवाज आई और वह गिर पड़े। गोली की आवाज और घटना की जानकारी से केंद्रीय आयुध भंडार में हड़कंप मच गया और दूसरे पीएसी कर्मी आनन फानन में मौके पर पहुंचे। साथियों द्वारा जवान को जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरक्षी के कान में मोबाइल से बात करने वाला एक इयरबड्स भी लगा मिला है। आरक्षी हिमांशु सिंह 2021 बैच का जवान था। वह मुरादाबाद की 24वीं बटालियन पीएसी दल में तैनात था। सीतापुर के केंद्रीय रिजर्व भंडार गृह (सीआर) में दो माह की ड्यूटी के लिए उसे भेजा गया था।

हिमांशु शनिवार की सुबह सात से 10 बजे तक टॉवर की ड्यूटी पर था। शक जताया जा रहा है कि वह मोबाइल पर बात कर रहा था इसी दौरान 8.45 बजे अचानक उसकी इनसास रायफल से गोली चल गई थी। हालांकि फील्ड यूनिट समेत पुलिस टीम मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है की घटना के दौरान हुआ फोन पर किसी से बात कर रहे थे और गोली उनके द्वारा स्वयं चलाई गई है।

स्वतंत्रता दिवस पर याद किए गए बलिदानी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

कुदरहा (बस्ती)। स्वतंत्रता दिवस पर खण्ड विकास कार्यालय कुदरहा पर ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे ने ध्वजा रोहण कर शहीद स्तंभ पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर बलिदानियों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

पीएचसी पर फार्माशिष्ट जेपी वर्मा, ब्लाक संसाधन केंद्र पर खण्ड शिक्षा अधिकारी सीपी गौड़, साधन सहकारी समिति कुदरहा पर डायरेक्टर डीसीएफ अजय दूबे, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पर वार्डन वत्सला श्रीवस्तव,पुलिस चौकी कुदरहा पर चौकी इंचार्ज रामानंद सिंह, सेन्ट्रल बैंक पर शाखा प्रबंधक अभिषेक पांडेय, एएस इंटर कालेज परसांव पर फौजी अभय पाल, बी० के० बालिका इन्टर कालेज पर पूर्व ब्लाक प्रमुख ब्रह्मदेव यादव देवा, शिवा सरस्वती विद्या पीठ कुदरहा पर राम अछैबर चौधरी, पूर्व माध्यमिक विद्यालय मसोढवा में प्रधान प्रतिनिधि इंद्रकुमार चौधरी, प्राथमिक विद्यालय छरदही पर प्रधान रमेश चौधरी, प्राथमिक विद्यालय शंकरपुर में प्रधान महेश कुमार, अमृत सरोवर रसूलपुर पर प्रधान अजय पाल, पूर्व माध्यमिक विद्यालय पिपरपाती मुस्तहकम पर प्रधान सोनू यादव, प्राथमिक विद्यालय टिकुईया पर प्रधान प्रतिनिधि राजेश यादव, प्राथमिक विद्यालय परेवा पर प्रधान प्रतिनिधि राम प्रकाश यादव, पूर्व माध्यमिक विद्यालय परसांव प्रधान प्रतिनिधि इंद्रपाल मल्लू, प्राथमिक विद्यालय शिवपुर में प्रधान प्रतिनिधि विंदेश्वरी चौरसिया, प्राथमिक विद्यालय टेंगरिहा राजा में प्रधान राजेंद्र प्रसाद, पंचायत भवन जिभियांव पर सचिव गोरख यादव ने ध्वजा रोहण किया।

गैस सिलेण्डर लीकेज से झुलसे मरीजों से मिले बसपा जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। 15 अगस्त के दिन कलवारी थानाक्षेत्र के टेंगरिहा राजा गांव में एक गैस सिलेंडर लीकेज से आग लग गई। रामफल के घर पर गैस सिलेंडर लगाने आए सुरेमन लीकेज की जांच कर रहे थे। इसी दौरान अचानक आग लग गई। हादसे में सुरेमन के साथ रामफल की पत्नी सुमन (40), उनका बेटा सिकन्दर (12), सरबजीत के बच्चे रितेश (8) और खुशी (6), अमरजीत की बेटी अंजली (17) और बेटा नीरज (10), लालचंद की बेटी अंशिका (7) और संदीप की बेटी दिव्या (7) झुलस गए। सिलेण्डर की आग से झुलसे मरीजों से शनिवार को बहुजन समाज पार्टी जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम के साथ अनेक बसपा नेताओं ने मुलाकात किया और उन्हें आर्थिक सहयोग करने के साथ ही हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। अनिल गौतम ने कहा कि इलाज के लिये धन की कमी नहीं होने पायेगी।

—बसपा नेताओं ने मरीजों, उनके परिजनों को दिया हर स्तर पर सहयोग का आश्वासन

सिलेण्डर की आग से झुलसे मरीजों से मुलाकात के दौरान बसपा नेता संजय धूसिया, के.पी. राठौर, जुगुल किशोर चौधरी, रंजीत कुमार गौतम, शिवम आजाद, डॉ बृजेश राव, रामचेत निराला, राम सरोज, भूपेंद्र कुमार, अनूप एडवोकेट, उमाशंकर राव, बबलू पाल आदि शामिल रहे।

सेन्ट्रल एकेडमी में उल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । सेन्ट्रल एकेडमी में स्वतंत्रता दिवस का पर्व उत्साह और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। सहायक निदेशक अनुज तिवारी ने ध्वजारोहण करने के बाद छात्रों को सम्बोधित करते हुये कहा कि लम्बे संघर्ष, बलिदान के बाद देश आजाद हुआ । देश कई मोर्चो पर प्रगति की ओर है। अमर सेनानियों के संकल्पों को पूरा करना हम सबका दायित्व है। स्वतंत्रता दिवस हमें अमर बलिदानियों की याद दिलाता है।

प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी ने छात्रों को स्वतंत्रता आन्दोलन की विस्तार से जानकारी दिया कहा कि देश की विकास यात्रा चुनौतियों के बीच निरन्तर जारी है। अनेक बलिदानों के बाद देश को जो आजादी मिली उसकी रक्षा हम सबका दायित्व है। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं मानसी, राजश्री तिवारी, रौनक, शिवाकान्त, फरहान, अभिज्ञान बाल्मीकि, हर्षित दूबे, अलका, आराध्या, श्रेया, साक्षी, अंजली, एन्जल, मोहिनी, अलका, आदिति मिश्रा, दिव्यांशी, अन्वी, निषिका, गरिमा, मानसी, खुशी, रौना, शिवाकान्त आदि ने देश भक्ति पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया। मुख्य रूप से आबिद अरशद, द्विजेन्द्र मिश्र, ऋषिका यादव, प्रियंका त्रिपाठी, ए.के. मिश्र, प्रिया राय, रानी, प्रतिमा, शिखा, महेश पाण्डेय, रूचि आदि ने छात्रों को स्वतंत्रता दिवस के महत्व की जानकारी दिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 अगस्त 2025 रविवार

सम्पादकीय

लालकिले से पीएम मोदी का संदेश

आजादी की 79वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाल किले से दिया गया भाषण अगर याद रखे जाने लायक कहा जाएगा तो सिर्फ इसलिए नहीं कि यह उनका अब तक का सबसे लंबा भाषण रहा या लाल किले के प्राचीर से उन्होंने लगातार बारहवीं बार राष्ट्र को संबोधित किया, जिसका मौका पंडित जवाहरलाल नेहरू के अलावा किसी और प्रधानमंत्री को नहीं मिला। जिन हालात में और जिन चुनौतियों के बीच पीएम मोदी ने राष्ट्र को संबोधित किया, वे भी इस भाषण को अहम बना रहे थे।

आज अमेरिका टैरिफ वॉर के जरिये अपना प्रभुत्व जमाने की कोशिश कर रहा है, जबकि चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स को हथियार बनाया हुआ है। इन सबके बीच भारत को तरक्की जारी रखने के लिए रास्ता तलाशना ही होगा। स्वाभाविक ही प्रधानमंत्री ने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पर खासा जोर दिया। उन्होंने क्रिटिकल अर्थ मिनरल्स, तेल और गैस, सेमीकंडक्टर से लेकर हथियारों तक में आत्मनिर्भरता की बात की। दुनिया जिस तरह से बदल रही है, उसमें यह जरूरी भी है कि दूसरों पर निर्भरता कम करने पर ध्यान दिया जाए।

अभी देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का योगदान केवल 12: है और ग्लोबल सप्लाई में केवल 2.8: इसकी तुलना में चीन दुनिया के लिए 28.8: सामान बना रहा है। इस साल अप्रैल में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि सरकार अगले दो दशकों में मैन्युफैक्चरिंग को ळक्च के 23: के बराबर करना चाहती है। सरकार ने जो लक्ष्य तय किया है, वह नामुमकिन बिल्कुल नहीं है।

ऑटो इक्विपमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, खासतौर पर आईफोन का उदाहरण बताता है कि भारत में वैश्विक जरूरतों को पूरा करने की क्षमता है। एपल करीब 20: आईफोन अब भारत में बना रही है, जबकि कभी चीन इसका केंद्र हुआ करता था। हालांकि पीएम मोदी ने ठीक ही ध्यान दिलाया कि दुनिया गुणवत्ता की कद्र करती है और अगर ग्लोबल मार्केट में भारत की छवि को चमकाना है तो हाई क्वॉलिटी प्रॉडक्ट्स बनाने होंगे।

अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करते हुए पीएम मोदी चुनौतियों की ओर संकेत करना भी नहीं भूले। उन्होंने न केवल किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों की बात की बल्कि सिंधु जल समझौते को मौजूदा स्वरूप में स्वीकार न करने की दो टूक घोषणा भी कर दी। स्पष्ट है कि भारत किसी भी सूरत में अवांछित दबाव को स्वीकार नहीं कर सकता। लेकिन इसे लेकर भी कोई भ्रम नहीं होना चाहिए कि भारत की आत्मनिर्भरता का मतलब बाकी दुनिया से कटना नहीं है। परस्पर सम्मान और सहयोग के आधार पर तालमेल के साथ आगे बढ़ते हुए ही भारत अपनी मंजिल तय करेगा।

प्रकृति का रौद्र रूप

प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखा रही है। अब मनुष्य को अगर संभलने का मौका नहीं मिल रहा है, तो इसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार है। धराली में बादल फटने से हुई तबाही से लोग अभी उबरे भी नहीं थे कि जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में ठीक वैसा ही हादसा हुआ। बादल फटने से आई बाढ़ ने तबाही मचा दी। अचानक आए सैलाब में साठ से ज्यादा लोगों की जान चली गई, सैकड़ों लोग लापता हो गए। नियंत्रण रेखा के पास चोशिती गांव में हुआ यह हादसा एक बड़ा सबक है। यह गांव पड्डर घाटी में है और यहां अठारह सौ से लेकर करीब चार हजार मीटर ऊंचे पहाड़ हैं। जब भी यहां बारिश होती है तो पानी तीव्र गति से नीचे आता है। जिला प्रशासन ने यह तैयारी क्यों नहीं कि अगर कभी बादल फटने की नौबत आई, तो गांव से ऊपर मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को कैसे बचाया जाएगा? गौरतलब है कि साढ़े नौ हजार फुट ऊंचाई पर स्थित मचैल माता मंदिर जाने के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग आते हैं। सवाल है कि स्थानीय प्रशासन ने यहां लंगर और दुकानें लगाने की भी अनुमति क्यों दी, यह जानते हुए भी कि जम्मू–कश्मीर में बादल फटने की घटनाएं हर वर्ष बढ़ रही हैं। पहाड़ी इलाकों में पहले भी बादल खूब बरसते थे, लेकिन इस तरह बादल नहीं फटते थे। अब बार–बार हो रही तबाही की वजह जलवायु परिवर्तन तो है ही, वहीं पहाड़ों पर अनियंत्रित और अवैज्ञानिक तरीके से हो रहा निर्माण कार्य भी है। नदी के तटों के नजदीक और पहाड़ों की ढलान पर बन रहे घरों ने इस संकट को बढ़ाया ही है। उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू–कश्मीर में इस तरह की घटनाओं से अब सजग होने और इससे निपटने की जरूरत है।

पहाड़ों पर अधिक संख्या में पर्यटकों के आने, वाहनों की आवाजाही बढ़ने और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने यहां की प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचाया है। नतीजा क्षेत्रीय जलचक्र में बदलाव आया है और इससे हाल के वर्षों में प्राकृतिक आपदा बढ़ी है। कुदरत अगर अपना क्रोध प्रकट कर रही है, तो इसे समझने और चेतने का समय है।

भारतीय संस्कृति के विलक्षण महानायक श्री कृष्ण

– योगेश कुमार गोयल–

श्रीकृष्ण को भारतीय संस्कृति का विलक्षण महानायक माना गया है। उनके व्यक्तित्व को जानने के लिए उनके जीवन दर्शन और अलौकिक लीलाओं को समझना जरूरी है। द्वापर युग के अंत में मथुरा में अग्रसेन नामक राजा का शासन था।जन्माष्टमी का त्यौहार प्रतिवर्ष भाद्रपक्ष कृष्णाष्टमी को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। इस पर्व का भारतीय संस्कृति में इतना महत्व इसीलिए माना गया है क्योंकि श्रीकृष्ण को भारतीय संस्कृति का विलक्षण महानायक माना गया है। उनके व्यक्तित्व को जानने के लिए उनके जीवन दर्शन और अलौकिक लीलाओं को समझना जरूरी है। द्वापर युग के अंत में मथुरा में अग्रसेन नामक राजा का शासन था। उनका पुत्र था कंस, जिसने बलपूर्वक अपने पिता से सिंहासन छीन लिया और स्वयं मथुरा का राजा बन गया। कंस की बहन देवकी का विवाह यदुवंशी वसुदेव के साथ हुआ। एक दिन जब कंस देवकी को उसकी ससुराल छोड़ने जा रहा था, तभी आकाशवाणी हुई, हे कंस! जिस देवकी को तू इतने प्रेम से उसकी ससुराल छोड़ने जा रहा है, उसी का आठवां बालक तेरा संहारक

होगा। आकाशवाणी सुन कंस घबरा गया। उसने देवकी की ससुराल पहुंचकर जीजा वसुदेव की हत्या करने के लिए तलवार खींच ली। तब देवकी ने अपने भाई कंस से निवेदन किया कि हे भाई! मेरे गर्भ से जो भी संतान होगी, उसे मैं तुम्हें सौंप दिया करूंगी, उसके साथ तुम जैसा चाहे व्यवहार करना पर मेरे सुहाग को मुझसे मत छीनो।

कंस ने देवकी की विनती स्वीकार कर ली और मथुरा लौट आया तथा वसुदेव एवं देवकी को कारागार में डाल दिया। कारागार में देवकी ने अपने गर्भ से पहली संतान को जन्म दिया, जिसे कंस के सामने लाया गया। देवकी के गिड़गिड़ाने पर कंस ने आकाशवाणी के अनुसार देवकी की आठवीं संतान की बात पर विचार करके उसे छोड़ दिया पर तभी देवर्षि नारद वहां आ पहुंचे और उन्होंने कंस को समझाया कि क्या पता, यही देवकी का आठवां गर्भ हो, इसलिए शत्रु के बीज को ही नष्ट कर देना चाहिए। नारद जी की बात सुनकर कंस ने बालक को मार डाला। इस प्रकार कंस ने देवकी के गर्भ से जन्मे एक–एक कर 7 बालकों की हत्या कर दी। जब कंस को देवकी के 8वें गर्भ की सूचना मिली तो उसने बहन और जीजा पर पहरा और कड़ा कर दिया। भाद्रपक्ष की कृष्णाष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में देवकी के गर्भ से श्रीकृष्ण ने जन्म लिया। उस समय घोर अंधकार छाया हुआ था तथा मूसलाधार वर्षा हो रही थी। तभी वसुदेव जी की कोठरी में अलौकिक प्रकाश हुआ। उन्होंने देखा कि शंख, चक्र, गदा और पद्मधारी चतुर्भुज भगवान उनके सामने खड़े हैं। भगवान के इस दिव्य रूप के दर्शन पाकर वसुदेव और देवकी उनके चरणों में गिर पड़े। तब उन्होंने वसुदेव से कहा, "अब मैं बालक का रूप धारण करता हूं। तुम मुझे तत्काल गोकुल में नंद के घर पहुंचा दो, जहां अभी एक कन्या ने जन्म लिया है। मेरे स्थान पर उस कन्या को कंस को सौंप दो। मेरी ही माया से कंस की जेल के सारे पहरेदार सो रहे हैं और कारागार के सारे ताले भी अपने आप खुल गए हैं। यमुना भी तुम्हें जाने का मार्ग अपने आप देगी।"

वसुदेव ने भगवान की आज्ञा पाकर शिशु को छाज में रखकर अपने सिर पर उठा लिया। यमुना में प्रवेश करने पर यमुना का जल भगवान श्रीकृष्ण के चरण स्पर्श करने के लिए हिलोरें लेने लगा और जलचर भी श्रीकृष्ण के चरण स्पर्श के लिए उमड़ पड़े। गोकुल पहुंचकर वसुदेव सीधे नंद बाबा के घर पहुंचे। घर के सभी लोग उस समय गहरी नींद में सोये हुए थे पर सभी दरवाजे खुले पड़े थे। वसुदेव ने नंद की पत्नी यशोदा की बगल में सोई कन्या को उठा लिया और उसकी जगह श्रीकृष्ण को लिटा दिया। उसके बाद वसुदेव मथुरा पहुंचकर अपनी कोठरी में पहुंच गए। कोठरी में पहुंचते ही कारागार के द्वार अपने आप बंद हो गए और पहरेदारों की नींद खुल गई। कंस को कन्या के जन्म का समाचार मिला तो वह तुरन्त कारागार पहुंचा और कन्या को बालों से पकड़कर शिला पर पटककर मारने के लिए ऊपर उठाया लेकिन कन्या अचानक कंस के हाथ से छूटकर आकाश में पहुंच गई। आकाश में पहुंचकर उसने कहा, "मुझे मारने से तुझे कुछ लाभ नहीं होगा। तेरा संहारक गोकुल में सुरक्षित है।" यह सुनकर कृष्ण के मामा कंस के होश उड़ गए। वह कृष्ण को ढूंढ़कर मारने के लिए तरह–तरह के उपाय करने लगा। कंस ने उन्हें मारने के लिए अनेक प्रयास किए। उसने श्रीकृष्ण का वध करने के लिए अनेक भयानक राक्षस भेजे परन्तु श्रीकृष्ण ने उन सभी का संहार कर दिया। कंस का वध करने के बाद श्रीकृष्ण ने उसके पिता उग्रसेन को राजगद्दी पर बिठाया और अपने माता–पिता वसुदेव तथा देवकी को कारागार से मुक्त कराया। तभी से भगवान श्रीकृष्ण के जनमोत्सव की स्मृति में जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाने लगा। वास्तव में श्रीकृष्ण की लीलाओं को समझाना पहुंचे हुए ऋषि–मुनियों और बड़े–बड़े विद्वानों के बूते से भी बाहर है। जन्माष्टमी का पर्व हमें प्रेरणा देता है कि हम अपनी बुद्धि और मन को निर्मल रखने का संकल्प लेते हुए अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष रूपी मन के विकारों को दूर करें।

नये सन्दर्भो में भारत की विदेश नीति?

–नीरज कुमार दूबे–

अप्रैल 1955 भारत को आजाद हुए आठ बरस बीच चुके थे। अंग्रेज भारत छोड़कर जा चुके थे। अब हम आजाद थे, अपने कानून बनाने के लिए, अपने तरह से जीने के लिए और आजाद हिंदुस्तान को मिलकर आगे ले जाने के लिए। अप्रैल के महीने की 18 तारीख को इंडोनेशिया के पश्चिमी प्रांत बांडुंग में एक बैठक बुलाई गई। इस बैठक में भारत समेत म्यांमार, श्रीलंका, पाकिस्तान, इंडोनेशिया जैसे देश शामिल होते हैं। इस बैठक में बांडुंग सम्मेलन कहा गया। उसी बांडुंग सम्मेलन में जब श्रीलंका के तत्कालीन प्रधानमंत्री सर जॉन कोटलेवाला ने इस ओर ध्यान दिलाया कि पोलैंड, हंगरी, बुल्गारिया और रोमानिया जैसे देश उसी तरह सोवियत संघ के उपनिवेश हैं जैसे एशिया और अफ्रीका के दूसरे उपनिवेश हैं। ये बात नेहरू जी को बहुत बुरी लगी। वो उनके पास गए और आवाज ऊंची करके बोले, सर जॉन आपने ऐसा क्यों किया? अपना भाषण देने से पहले आपने उसे मुझे क्यों नहीं दिखाया? जॉन ने छूटते ही जवाब दिया कि मैं क्यों दिखाता अपना भाषण आपको? क्या आपने अपना भाषण देने से पहले मुझे दिखाए? इतना सुनते ही पंडित नेहरू क्रोध से भर उठे और छह वर्ष तक प्रधानमंत्री की सुरक्षा करने वाले पूर्व आईपीएस केएफ रुस्तमजी की माने तो नेहरू जी ने अपना हाथ ऊपर उठा लिया था और ऐसा लगा कि जैसे वो कोटेलावाला को तमाचा न जड़ दें। लेकिन बीच में आईं इंदिरा गांधी ने पंडित नेहरू का हाथ पकड़ कर उनके कान में आहिस्ता से कहा– आप शांत हो जाइए। वहां मौजूद चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता चाऊ एनलाई ने अपनी टूटी–फूटी अंग्रेजी में दोनों को समझाने की कोशिश की। इस वाक्या का जिक्र करते हुए जॉन कोटलेवाला ने अपनी किताब 'एन एशियन प्राइम मिनिस्टर्स स्टोरी' में लिखा कि मैं और नेहरू हमेशा से बेहतरीन दोस्त रहे और मुझे विश्वास है कि नेहरू ने मेरी उस धृष्टता को भुला दिया होगा। गुटनिरपेक्ष आंदोलन की अवधारणा शीत युद्ध की पृष्ठभूमि में इंडोनेशिया में आयोजित इसी बांडुंग सम्मेलन के दौरान रखी गई थी। महाद्वीपों के विभिन्न हिस्सों में सरकारें पक्ष चुन रही थीं। फिर भी भारत की प्रतिक्रिया स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरी थी। निमंत्रण के लिए ६ न्यवाद, लेकिन हम इससे दूर रहेंगे। इस निर्णय से उस विचारधारा का जन्म हुआ जो आगे चलकर भारतीय कूटनीति यानी गुटनिरपेक्ष आंदोलन की आधारशिला बनी।

गुटनिरपेक्षता के बीज आजादी से पहले ही बो दिए गए थे। मार्च 1947 में जवाहरलाल नेहरू ने नई दिल्ली में एशियाई संबंध सम्मेलन की मेजबानी की। इसमें 28 एशियाई देशों के प्रतिनिधि एकत्रित हुए, जो उत्तर–औपनिवेशिक एकजुटता के दृष्टिकोण से एकजुट थे। इस सम्मेलन का उद्देश्य महाद्वीपीय एकता को बढ़ावा देना और बाहरी शक्ति

समूहों के दबाव का विरोध करना था। प्रधानमंत्री बनने के बाद, जवाहरलाल नेहरू ने इस नींव पर और मजबूती से काम किया। एकता के साथ–साथ, उन्होंने एक और रणनीतिक स्तंभ तटस्थता को जोड़ा। उन्होंने एक ऐसे एशिया की कल्पना की जो शीत युद्ध की उलझनों से दूर रहे। गुटनिरपेक्ष आंदोलन ने इन देशों के लिये दोनों गुटों से अलग रहकर एक स्वतंत्र विदेशी नीति रखते हुए आपसी सहयोग बढ़ाने का एक मजबूत आधार प्रदान किया। जिसकी स्थापना में भारत के प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति जोसेफ ब्रॉज टीटो और मिस्त्र के राष्ट्रपति गमाल अब्दुल नासिर ने अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही इंडोनेशिया के अहमद सुकर्णो और घाना के प्रधानमंत्री वामे एनक्रूमा ने भी गुटनिरपेक्ष आंदोलन को अपना समर्थन दिया। गुटनिरपेक्ष आंदोलन का पहला सम्मेलन वर्ष 1961 में बेलग्रेड (यूगोस्लाविया) में आयोजित किया गया था, इस सम्मेलन में विश्व के 25 देशों ने हिस्सा लिया था। वर्तमान में विश्व के 120 देश इस समूह के सक्रिय सदस्य हैं।

शुरू से ही, गुटनिरपेक्ष आंदोलन को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। आलोचकों ने इसे तटस्थ या यहाँ तक कि अलगाववादी भी कहा। लेकिन भारत का नेतृत्व दृढ़ रहा। वे शीत युद्ध के शतरंज के खेल में मोहरे नहीं, बल्कि खिलाड़ी बनना चाहते थे। 1950 के दशक में भारत की कूटनीति ठंडे रणनीतिक गणित के बजाय सिद्धांतों पर आधारित थी। इसने कोरियाई युद्ध के दौरान शांति स्थापित करने की कोशिश की, कम्युनिस्ट चीन की वैश्विक मान्यता की वकालत की और स्वेज संकट के दौरान मिस्र पर त्रिपक्षीय आक्रमण के खिलाफ आवाज उठाई। इन कार्यों ने भारत को नैतिक प्रतिष्ठा और न्याय की आवाज की छवि दिलाई। लेकिन एक कमजोरी भी व्यावहारिकता अक्सर गायब रहती थी।

1960 का दशक तीखे सबक लेकर आया। भारत की पड़ोस नीति तब ध्वस्त हो गई जब दो पड़ोसियों 1962 में चीन और 1965 में पाकिस्तान ने हमला किया। चीन के साथ युद्ध ने टीस आज तक नहीं गई है। पाकिस्तान के साथ युद्ध जीत के साथ समाप्त हुआ। लेकिन दोनों ही संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया, सिद्धांत प्रशंसा तो अर्जित कर सकते हैं, लेकिन सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते। आर्थिक रूप से देश अभी भी औपनिवेशिक क्षति के बोझ तले संघर्ष कर रहा था। अर्थव्यवस्था का औद्योगीकरण समाप्त हो चुका था, कृषि की हालत खराब थी और देश सालाना 10–11 मिलियन टन गेहूँ के आयात पर निर्भर था। 1955 और 1965 के बीच भारत विदेशी सहायता पर अपनी निर्भरता के चरम पर पहुँच गया। स्वास्थ्य कार्यक्रमों, ग्रामीण शिक्षा और परिवार नियोजन के लिए लाखों डॉलर देश में प्रवाहित हुए। इस निर्भरता ने गुटनिरपेक्ष रुख को कमजोर कर दिया। वियतनाम युद्ध के दौरान, भारत ने अमेरिकी कार्रवाइयों की आलोचना की, लेकिन उसे अभी भी अमेरिकी सहायता की आवश्यकता थी। वाशिंगटन ने इसका लाभ उठाया और नई दिल्ली पर अपने विरोध को कम करने का दबाव डाला। इस दशक ने भारतीय कूटनीति को एक असहज सच्चाई का सामना करने के लिए मजबूर कर दियारू केवल आदर्श ही विदेश नीति को संचालित नहीं कर सकते।

1970 का दशक यथार्थवाद की ओर एक रणनीतिक बदलाव का प्रतीक था। घरेलू स्तर पर, हरित क्रांति ने कृषि की पूरी तरह बदल दिया। दशक के अंत तक, भारत खाद्यान्नों के मामले में आत्मनिर्भर हो गया, जिससे विदेशी खाद्य सहायता पर निर्भरता का युग समाप्त हो गया। कूटनीतिक मोर्चे पर 1971 में सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि पर हस्ताक्षर के साथ एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। यह केवल एक प्रतीकात्मक संकेत नहीं था। यह भू–राजनीतिक उथल–पुथल के प्रति एक सोची–समझी प्रतिक्रिया थी। अमेरिका चीन के करीब आ रहा था और पूर्वी पाकिस्तान में जातीय बंगालियों पर पाकिस्तान की कार्रवाई ने भारत में शरणार्थियों की भारी आमद को बढ़ावा दिया था। तटस्थता अब इन संकटों का समाधान नहीं कर सकती थी और यथार्थवाद ही आगे बढ़ने का व्यावहारिक रास्ता था। सोवियत गठबंधन रंग लाया। 1971 के युद्ध में, इसने रणनीतिक समर्थन प्रदान किया जिससे भारत को जीत हासिल करने और बांग्लादेश के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने में मदद मिली। पूरे दशक में, भारत–सोवियत संबंध प्रगाढ़ हुए व्यापार 1973 के 46 करोड़ डॉलर से लगभग दोगुना होकर 1975 में 83 करोड़ डॉलर हो गया, हथियारों की बिक्री का विस्तार हुआ और 1975 में सोवियत रॉकेट से भारत के पहले उपग्रह के प्रक्षेपण के साथ सहयोग अंतरिक्ष अन्वेषण तक पहुँच गया।

1980 का दशक भारत द्वारा दक्षिण एशिया में अपने नेतृत्व को मजबूत करने के साथ शुरू हुआ। 1985 में इसने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसका उद्देश्य दक्षिण पूर्व एशिया में आसियान की तरह एकता को बढ़ावा देना था। लेकिन इस दशक में एक महंगी गलती भी देखी गई। श्रीलंका में, सरकार और तमिल अलगाववादियों के बीच एक क्रूर गृहयुद्ध तेज हो गया। श्रीलंका में तमिलों और दक्षिण भारत में लाखों लोगों के बीच साझा जातीय संबंधों को देखते हुए, नई दिल्ली ने हस्तक्षेप किया। 1987 के भारत–श्रीलंका समझौते के परिणामस्वरूप भारतीय शांति सेना (प्च्ज्ञथ्) की तैनाती हुई। मूल रूप से शांति बनाए रखने का कार्यभार संभाले हुए, जल्द ही तमिल अलगाववादियों के साथ सीधे संघर्ष में उलझ गया। 1990 तक, भारत ने अपनी सबसे बड़ी कूटनीतिक भूलों में से एक को चिह्नित करते हुए, इससे पीछे हटना शुरू कर दिया। इस बीच, वैश्विक गतिशीलता बदल रही थी। चीन के साथ संबंधों में गर्मजोशी आई, शीत युद्ध समाप्ति के करीब पहुँच गया और सोवियत संघ अफगानिस्तान में उलझ गया। प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 1985 में अमेरिका और 1988 में चीन यात्राओं ने शीत युद्ध के बाद की कूटनीतिक रणनीति की जमीन तैयार की। 1990 के दशक ने भारत के लिए एक नया अध्याय शुरू किया, जो आर्थिक और कूटनीतिक, दोनों ही अनिवार्यताओं से प्रभावित था। 1991 के आर्थिक सुधारों ने भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करने का प्रयास किया, जिससे व्यापक अंतर्राष्ट्रीय जुड़ाव आवश्यक हो गया। सोवियत संघ के पतन ने एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार को हमसे दूर कर दिया, जिससे भारत को अपने संबंधों में विविधता लाने के लिए प्रेरित किया। 1992 में,भारत ने 'पूर्व की ओर देखो नीति' शुरू की और तथाकथित एशियाई टाइगर्स सहित दक्षिण–पूर्व एशिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं का लाभ उठाने के लिए आसियान के साथ एक संवाद भागीदार बन गया। उसी वर्ष, भारत ने इजराइल के साथ सार्वजनिक रूप से राजनयिक संबंध स्थापित किए, जिससे दशकों का मौन सहयोग समाप्त हो गया। हालाँकि, इस दशक की प्रगति 1998 में बाधित हुई जब भारत ने राजस्थान में परमाणु परीक्षण किए। अमेरिका ने प्रतिबंधों के साथ जवाब दिया और पाकिस्तान ने जल्द ही अपने परीक्षण किए, जिससे क्षेत्र में तनाव खतरनाक स्तर पर पहुँच गया।

यंत्र से तंत्र तक राहुल गांधी

–अभिनव आकाश–

एक दौर था जब बाहुबलि वोट लूट कर चुनाव जीत जाया करते थे। आज चुनाव आयोग पर ही वोट चोरी का आरोप है। राहुल गांधी के पुराने आरोपों और इस बार के आरोपों में अंतर ये रहा कि इस बार उनके निशाने पर तंत्र पर है, यंत्र नहीं। ऐसे में क्या लोकसभा के चुनाव में वोट चोरी की गई। हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव में चोरी हुई है? क्या बिहार में चोरी की तैयारी की जा रही है। राहुल गांधी और सारा विपक्ष वोट चोरी के मुद्दे पर सड़क पर उतरा। अखिलेश यादव ने तो खुद बैरिकेड फांदकर समाजवादी पार्टी के सांसदों में जोश भरा। तृणमूल कांग्रेस के सांसद भी उमस भरी गर्मी के बाद आक्रमक नजर आए। प्रियंका गांधी वाड्रा सड़क पर बैठकर नारे लगाने लग गईं।

हाल ही के सालों में सबसे महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस एआईसीसी के हेडक्वार्टर में हुआ। जब राहुल गांधी के हाथों में आयोग का दिया वोटर लिस्ट लिए मीडिया को 2024 पोल डेटा का एक ऑनलाइन प्रजेंटेशन करके दिखाया। राहुल गांधी ने दावा किया कि कैसे महाराष्ट्र में पांच महीने के अंदर 1 करोड़ नए वोटर्स को जोड़ा गया। चुनाव आयोग ने पोल डेटा का सॉफ्ट कॉपी देने से मना कर दिया। कांग्रेस को पेपर सीट निकालने पड़े। जो पेपर निकला भी वो ओसीआर यानी ऑप्टिकल कैरेक्टर मशीन से निकाल सकते हैं। राहुल गांधी ने ये भी बताया कि चुनाव आयोग चाहता है कि सीसीटीवी फुटेज को खत्म कर दिया जाए। जिससे एक्ट्रा वोटर गायब हो जाए और उस पर सवाल न उठे। कांग्रेस पार्टी ने 30–40 लोग लगाकर, महीने लगाकर लाख वोट चोरी होने का खुलासा किया है। सवाल हमारे डेमोक्रेटिक फाउंडेशन का है और एक एक वोट के हक का है। ऐसे में आज हम विपक्ष के आरोपों, चुनाव आयोग के जवाब, अगर ये आरोप सही होते हैं तो इसके क्या निहितार्थ हो सकते हैं।

महादेवपुरा सीट पर कांग्रेस ने 1,00,250 संदिग्ध मतों की पहचान की राहुल गांधी ने दावा किया कि महादेवपुरा क्षेत्र की मतदाता सूची की जांच करने पर उनकी टीम को लाखों कागज के पन्ने खंगालने पड़े, क्योंकि चुनाव आयोग ने मशीन रीडेबल फॉर्मेट में डेटा उपलब्ध नहीं कराया। हमने जब इन कागजों को इकड्ठा किया तो उनकी ऊंचाई 7 फीट से ज्यादा हो गई थी। जांच के बाद कांग्रेस की टीम ने 1,00,250 संदिग्ध मतों की पहचान की, जो वोट चोरी है।

एक कमरे के घर में दर्ज मिले 80 वोटर, लाभ बीजेपी को मिला राहुल गांधी ने बताया कि सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह था कि कई मामलों में एक कमरे के मकान में 80 वोटर दर्ज पाए गए। राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि क्या यह संभव है कि एक छोटे से कमरे में 80 लोग रहते हों? ये फर्जीवाड़ा नहीं तो और क्या है? उन्होंने आगे कहा कि एक ही पते पर 50–50 मतदाता दर्ज थे। राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ महादेवपुरा की कहानी नहीं है।

बेंगलुरु सेंट्रल के 7 में से 6 विधानसभा में पीछे रही बीजेपी उन्होंने दावा किया कि बीजेपी बेंगलुरु सेंट्रल के 7 विधानसभा क्षेत्रों में से 6 में पीछे रही, सिर्फ महादेवपुरा में भारी बढ़त ने उसकी जीत सुनिश्चित की। आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भी इसी तरह का फर्जीवाड़ा हुआ। महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच सिर्फ 5 महीने में वहां एक करोड़ नए मतदाता जोड दिए गए, जबकि इससे पहले 5 साल में इतने नाम नहीं जुड़े थे।

भारत के इतिहास में चुनाव आयोग की साख पर कभी इतना बड़ा सवाल नहीं उठा। 10 अगस्त को समय मांगा गया कि 11 अगस्त को विपक्ष के सांसद मार्च करेंगे और आयोग से मिलकर अपनी बात रखना चाहते हैं। एएनआई ने फिर आयोग के सचिवालय का एक लेटर पोस्ट किया जिसमें जयराम रमेश को दोपहर 12 बजे मिलने का समय दिया गया। लेकिन जगह की कमी बता 30 नाम मांगे गए। फिर जयराम रमेश ने जवाब देते हुए एक्स पर लिखा कि विपक्ष ने शुरू से ही डेलीगेशन के मिलने की बात नहीं की थी। शांतिपूर्ण मार्च के बाद विपक्ष के सभी सांसद आयोग से मिलकर कई मुद्दों पर बात करना चाहते हैं। कांग्रेस और विपक्ष की दूसरी पार्टियां लंबे वक्त से चुनाव आयोग पर हमलावर रही हैं। ईवीएम को लेकर काफी बहस हो चुकी है और इस पर हंगामा भी हुआ है। लेकिन, देश के सामने अभी जो सीन चल रहा है, वह अभूतपूर्व है।

तेंदुए के हमले से किशोरी गम्भीर रूप से घायल

संवाददाता–महराजगंज। सीमावर्ती महराजगंज जिले में एक बार फिर तेंदुए का आतंक फैल गया है। सोहगीबरवा वन्य जीव प्रभाग के शिवपुर रेंज के बसंतपुर में शुक्रवार की शाम घास काटने गई एक किशोरी पर तेंदुए ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। किशोरी को इलाज के लिए महराजगंज में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। वन विभाग तेंदुए की तलाश में जुट गया है। इसके साथ ही ग्रामीणों से भी सतर्क रहने और जंगल की तरफ न जाने की अपील की जा रही है। महाराजगंज के सोहगीबरवा थाना क्षेत्र के ग्राम बसही निवासिनी ममता (उम्र 14 वर्ष) पुत्री गणेश मुसहर ग्राम बसंतपुर के पास घास काटने गई थी। इस दौरान अचानक झाड़ियों से निकलकर आए तेंदुए ने उसके ऊपर हमला कर दिया। तेंदुए के हमले में किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्रामीणों के शोर को सुनकर तेंदुआ भाग गया। परिजनों ने घायल किशोरी को इलाज के लिए महराजगंज के एक अस्पताल में भर्ती कराया। ग्रामीणों ने इस क्षेत्र में वन विभाग से गश्त बढ़ाने की मांग की है। रेंजर सुनील राव ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। मौके पर वनकर्मी पहुंच कर तेंदुए की तलाश कर रहे हैं। ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। उनसे सतर्क रहने की अपील की जा रही है। बता दें कि इसके पहले भी महाराजगंज के इस इलाके में तेंदुआ आतंक फैलाता रहा है। अब किशोरी पर हमले के बाद वन विभाग एक बार फिर अलर्ट मोड पर है। ग्रामीण भी अपने स्तर पर निगरानी कर रहे हैं। पिछले महीने (जुलाई में) महराजगंज के घुघली थाना क्षेत्र के पकड़ियार गांव और आसपास के 2 गांवों में तेंदुए की दहशत फैल गई थी। गांववालों ने खेत में घूमते हुए तेंदुए का वीडियो बनाया था। वीडियो सोशल मीडिया में भी वायरल हुआ था। गांववालों का कहना है कि तेंदुए की वजह से दिन और रात हमेशा डर बना रहता है। लोगों को खेतों में करने के समय भी डर रहता है।

जेल से फरार रेप का आरोपी पकड़ा गया

संवाददाता–देवरिया। जिला कारागार से फरार हुए एक बंदी को वाराणसी एसटीएफ ने गुजरात के सूरत से गिरफ्तार किया है। आरोपी अमन पांडेय पर नाबालिग से दुष्कर्म का मामला दर्ज है।

अमन पांडेय बरईपुर, थाना रामपुर कारखाना, देवरिया का रहने वाला है। उस पर गौरीबाजार थाने में पॉक्सो एक्ट सहित कई धाराओं के तहत केस दर्ज था। स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट की अदालत के आदेश पर उसे 16 दिसंबर 2022 को जिला कारागार में भेजा गया था।

29 दिसंबर 2022 को वह जेल से फरार हो गया। इस मामले में कोतवाली देवरिया में धारा 223, 224 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। अदालत ने उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

वाराणसी एसटीएफ को धरातलीय और इलेक्ट्रॉनिक सूचना से पता चला कि आरोपी गुजरात में छिपा है। उपनिरीक्षक शाहजादा खान के नेतृत्व में टीम ने 13 अगस्त को सूरत के शिवशक्ति नगर सोसाइटी, भटेना थाना क्षेत्र उधना से उसे गिरफ्तार किया।

जन्माष्टमी पर विधायक और डीएम ने किया गोवंश पूजन

संवाददाता–महराजगंज। वृहद गोआश्रय केंद्र अहमदपुर हड़हवा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया गया। सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया और जिलाधिकारी संतोष शर्मा ने कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत हवन–पूजन से हुई। विधायक और जिलाधिकारी ने मंत्रोच्चारण के साथ गोशाला पूजन किया। गौ माता को गुड़, फल और पुष्टाहार खिलाया गया। ग्रामीण महिलाओं ने मंगलगीत गाए। दोनों अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया।

विधायक ने कहा कि श्रीकृष्ण की लीलाएं धर्म, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। गीता का संदेश जीवन जीने की कला है। यह हर स्थिति में कर्तव्य और निष्काम कर्म की ओर प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी समाज में प्रेम और भाईचारा बढ़ाने का अवसर है।

जिलाधिकारी ने कहा कि जन्माष्टमी सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का प्रतीक है। गौशालाओं की देखभाल और वृक्षारोपण समाज को सही दिशा दिखाते हैं। उन्होंने बताया कि स्वदेशी नस्ल के गोवंशों का संरक्षण शासन की प्राथमिकता है। जनपद के सभी गोआश्रय स्थलों को इस अवसर पर सजाया गया। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से गौ सेवा और वृक्षारोपण का आह्वान किया।

दो गांवों में तेंदुए की दस्तक से दहशत, घरों में दुबके लोग

संवाददाता–बलरामपुर। दो गांवों में तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीणों में खौफ का माहौल है। शुक्रवार शाम करीब 7 बजे तराई क्षेत्र के कौवा गांव निवासी उदर नारायन खेत से लौट रहे थे। इसी दौरान गन्ने के खेत में अचानक तेंदुआ दिखा। वह घबरा गए और शोर मचाने लगे। हालांकि लोगों के पहुंचने से पहले तेंदुआ नदी की ओर भाग गया। ग्रामीण महेंद्र सिंह, रामदेव, बब्बू, निब्बर व कंधई लाल ने बताया कि बीते दिनों तेंदुआ गांव में एक बछड़े और दो बकरियों को निवाला बना चुका है। यहां तक कि एक महिला पर हमला कर उसे घायल भी कर चुका है। वहीं तराई क्षेत्र के किठूरा गांव में भी तेंदुआ आए दिन दिखाई पड़ रहा है। इसकी वजह से ग्रामीण रात में घर से बाहर निकलने से डर रहे हैं। माता–पिता बच्चों को अकेले बाहर नहीं भेज रहे। ग्रामीणों ने वन विभाग से से तेंदुए का रेस्क्यू करके पकड़ने की मांग की है। बरहवा रेंज के रेंजर बृजेश सिंह परमार ने बताया कि दोनों गांवों में वन विभाग की टीम भेजी जा रही है। स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

सभी दलों में सम्मानित थे पूर्व पीएम, विश्व मंच पर बढ़ाया देश का मान

संवाददाता–देवरिया। तरकुलवा नगर पंचायत सभागार में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 7वीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कृषि मंत्री ने कहा कि वाजपेयी ने विदेश और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष मजबूती से रखा। उन्होंने देश का मान बढ़ाया और सभी दलों के बीच सम्मान प्राप्त किया। भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने वाजपेयी के कार्यकाल में हुए 1999 के कारगिल युद्ध का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में भारतीय सेना ने अपना साहस दिखाया। भारत ने दुनिया को संदेश दिया कि वह अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए हर परिस्थिति में तैयार है।

कार्यक्रम में जिला महामंत्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, रविंद्र किशोर कौशल, तरकुलवा ब्लॉक प्रमुख रामाशीष गुप्ता, बैतालपुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रभाकर राय समेत कई भाजपा नेता मौजूद रहे। इनमें नगर पंचायत अध्यक्ष हेतिमपुर बिरेंद्र यादव, पथरदेवा नगर अध्यक्ष क्रांति सिंह और तरकुलवा नगर अध्यक्ष जनार्दन कुशवाहा भी शामिल थे।

राखी बंधवाने के तीसरे दिन गायब हुआ भाई, नहर में मिली लाश से छाया मातम

संवाददाता–देवरिया। राखी बंधवाने के तीसरे दिन भाई घर से निकल गायब हो गया। 2 दिन बाद बाइक तो तीसरे दिन उसकी नहर में शव मिला। शव मिलने की जानकारी होते ही घर में कोहराम मच गया। परिजनों ने प्रेम प्रसंग में घर बुलाकर हत्या का आरोप लगाया है। नगर पंचायत रामपुर कारखाना के राजगद्दी वार्ड निवासी दिलीप कुमार मद्धेशिया (24) पुत्र रमाशंकर मद्धेशिया टेंट मालिक था। 9 अगस्त को उसने अपनी बहनों सुनीता और दीपा को बुलाकर हंसी–खुशी राखी बंधवाया। भाई बहन के पवित्र त्यौहार की हंसी–खुशी के बीच 12 अगस्त की दोपहर वह बाइक से घर से निकला।

देर रात तक वह घर नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई। उसका मोबाइल भी स्विच ऑफ हो गया। 13 अगस्त को महाराजगंज के परतावल के पास नहर किनारे उसकी बाइक मिली। परिजनों ने 14 अगस्त को परतावल थाने में दिलीप के गायब होने की गुमशुदगी दर्ज कराई। 15 अगस्त की सुबह उसका शव कुशीनगर जिले के मसूर गंज चौकी के पास नहर में उतराते दिखा। मौके पर पहुंचे परिजनों ने प्रेम प्रसंग में दिलीप की हत्या करने का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि वह दो–तीन साल से परतावल की एक युवती के साथ प्रेम प्रसंग में था। युवती के घर वालों ने बुलाकर उसकी हत्या कर नहर में शव फेंक दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। परिजनों की चीत्कार से गूंज उठा रामपुर कस्बा मृतक दिलीप दो भाई और दो बहनों में सबसे छोटा था। वह पिता के साथ टेंट हाउस के काम में हाथ बंटाता था। कुशीनगर जिले के मसूरगंज पुलिस चौकी के पास शव मिलने की जानकारी होते ही शुक्रवार की सुबह परिजन दहाड़े मारकर रोने लगे। पिता रमाशंकर मद्धेशिया मां उर्मिला देवी बहाने सुनीता और दीपा एवं बड़ा भाई संतोष मद्धेशिया चीत्कार कर उठे। सांत्वना दे रहे चाचा सुभाष मद्धेशिया, चचेरा भाई पंकज व पवन मद्धेशिया भी रो पड़े। आसपास के लोग दिलासा देने पहुंचे तो परिजनों का रोना देख उनकी आंखें भी नम हो गई।

श्री राम नगरी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या धाम में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 79 वां स्वतंत्रता दिवस हनुमानगढ़ी परिसर में स्थित श्री हनुमत संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रधानाचार्य डॉ महेश दास ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रीय गान हुआ और स्वतंत्रता दिवस के बारे में बताते हुए प्रधानाचार्य महोदय ने कहा कि आजादी हमें काफी बलिदानों के बाद मिली है इसलिए हमें स्वतंत्रता दिवस पर संकल्प लेकर सर्व समाज के लिए काम करना चाहिए और वर्तमान समय में स्वतंत्रता दिवस पर हम सब यह संकल्प लेते हैं कि भारत में अराजकता नहीं फैलने देंगे। पूर्व विभागाध्यक्ष त्रियुगी दास, शैलेश सिंह व अनीता पांडे शिक्षक कृष्णानंद उपाध्याय, बालमुकुंद मिश्र, संजय शुक्ला, उपेंद्र दास, मामा दास, लवकुश दास, सूर्यभान दास, रामानंद, विनोद पांडे, नीरज त्रिपाठी आयुष सहित सैकड़ो छात्र अभिभावक एवं संत महंत उपस्थित रहे। विद्यालय में ध्वजारोहण के बाद बच्चों को स्वतंत्रता दिवस के बारे में बताया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ वाद विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया और मिष्ठान वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। वहीं 79 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में श्री राज गोपाल संस्कृत महाविद्यालय अयोध्या के प्रधानाचार्य ने ध्वजारोहण किया और स्वतंत्रता दिवस के बारे में बच्चों को बताया। इस अवसर पर सर्वेश्वर दास महाराज ने बताया कि हमारे पूर्वजों ने स्वतंत्रता के लिए बहुत बड़ी कुर्बानी दी उसको संरक्षित करना हमारा कर्तव्य है इस अवसर पर शिक्षक छात्र एवं अभिभावक गण उपस्थित रहे ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान हुआ स्वतंत्रता दिवस के बारे में बच्चों को बताया गया मिष्ठान वितरण कार्यक्रम का समापन हुआ

श्रीनिवास पीठम सेवा संस्थान के अध्यक्ष आचार्य धर्मेंद्र स्वामी ने कार्यालय पर ध्वजारोहण कर मिठाइयां बांटी और एकता भाईचारे प्रेम का संदेश दिया।श्री सेवा संस्थान अयोध्या राष्ट्रीय अध्यक्ष आशुतोषानंद त्रिपाठी ने राष्ट्रीय कार्यालय श्री राम जानकी विहार कुंज छोटी देवकाली रोड तुलसी नगर पर ध्वजारोहण किया और देश की उन्नति के लिए सभी से प्रार्थना की। संपन्न इस पर्व के अवसर पर उपाध्यक्ष अवधेश दास, श्री राम कथा के मर्मज्ञ चंद्रांशु महाराज संरक्षक शैलेंद्र मणि पांडे,महासचिव ओंकार नाथ पांडे सचिव बृजेंद्र श्रीवास्तव प्रवक्ता रमाशंकर त्रिपाठी एडवोकेट एवं सदस्यगण अजय सिंह संतोष द्विवेदी शिव शंकर सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। स्वाधीनता दिवस के पावन पर्व पर हरद्वारी बाजार श्रृंगार हाट (भक्ति पथ) अयोध्या निकट (मौर्य होम्यो हॉस्पिटल) स्थितषहिंदी प्रचार प्रसार सेवा संस्थानष के केंद्रीय कार्यालय पर देश के 78वें स्वाधीनता दिवस पर एक भव्य समारोह झंडारोहण कर पूज्य साध्वी कवियत्री गीता रामायनी व संस्थान की राष्ट्रीय सचिवआचार्य शशि मौर्य ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रेस क्लब अयोध्या अध्यक्ष महेंद्र त्रिपाठी नेआजादी की लड़ाई में अमर शहीद बलिदानियों को भावभीनी श्रद्धांजलिदी। उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ0 रामकरन सिंह कुशवाहा वरिष्ठ पत्रकार भानु प्रताप सिंह, ष्चंद्रवंशीष व पावन भारत टाइम्स के संपादक पवन पाण्डेय ने देश में वर्ण भेद, जाति भेद, वर्ग भेद, से ऊपर उठकर एक सकारात्मक सोच के तहत देश के नवनिर्माण में जुटने की अपील की।समारोह का संचालन करते हुए षहिंदी प्रचार प्रसार सेवा संस्थानष के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ0 सम्राट अशोक मौर्य ने किया।समारोह में प्रमुख रूप से अपनी सहभागिता निभाने वालों में हिमांशी पाण्डेय, डाली सिंह, पत्रकार नीलम सिंह, अरविंद सिंह, परमजीत कौर, परमिंदर कौर,शुभी पाण्डेय, आरती सिंह, सुमन, प्रियंका त्रिपाठी, प्रदीप सिंह चौधरी एस आई एलो जोन,रुबे प्रताप मौर्य जल पुलिस प्रभारीअयोध्या, नित्यानंद यादव जल पुलिस,पत्रकार विश्वनाथ शुक्ला,सी ए चक्रवर्ती मौर्य,आजाद वर्मा, जियालाल कनौजिया,पत्रकार ओमप्रकाश सैनी, राष्ट्र कुंवर मौर्य,पत्रकार अजेंद्र पाण्डेय,अहिंसा पाण्डेय,विंध्यवासिनी शरण पांडिया,सोनाली साहू,तिलक पत्रिका न्यूज चौनल के देवेश पाण्डेय, अमृत विचार चौनल के आनंद त्रिपाठीआदि रहे।

5 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा में पैदल चले भाजपा विधायक, जगह–जगह पुष्प वर्षा करके लोगों ने किया स्वागत

संवाददाता–गोण्डा। जिले के करनैलगंज में स्वतंत्रता दिवस पर भाजपा विधायक अजय सिंह ने 5 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा निकाली। विधायक ने 2 किलोमीटर तक स्वयं तिरंगा थामकर यात्रा का नेतृत्व किया हजारों लोग तिरंगा लेकर इस यात्रा में शामिल हुए। स्थानीय लोगों ने जगह–जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। लोगों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। एक बुलडोजर से भी पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया है विधायक ने कहा कि बुलडोजर को लोग सीएम योगी से जोड़कर के देखते हैं।

तिरंगा यात्रा के बाद मीडिया से बातचीत में विधायक अजय सिंह ने सपा विधायक पूजा पाल के निष्कासन पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी तुष्टिकरण की राजनीति में अहम भूमिका निभा रही है। सपा हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति करती रही है अभी भी वही राजनीति कर रही है। पूजा पाल के पति की सपा शासन में दौड़ा दौड़ा कर तीन बार हत्या का प्रयास किया गया था और उनके पति की हत्या की गई थी।

जब से प्रदेश में योगी सरकार आई है योगी सरकार ने दोषियों को सजा दी पूजा पाल के पति के हत्यारे को सीएम योगी ने मिट्टी में मिलाने का भी काम किया है। बहन पूजा पाल है इन्होंने इसके लिए सदन में मुख्यमंत्री योगी को धन्यवाद दिया था। इसमें पूजा पाल ने कोई गुनाह नहीं किया था अखिलेश यादव के पास पूजा पाल को निष्कासित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

महिला आयोग की सदस्य ने वन स्टहप सेंटर का निरीक्षण, 15 नए कर्मचारियों को दिए नियुक्ति पत्र

संवाददाता–श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या डॉ. प्रियंका मौर्या ने श्रावस्ती का दौरा किया। उन्होंने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित जिला प्रोबेशन कार्यालय में नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। आउटसोर्सिंग के माध्यम से चयनित 15 कर्मचारियों में वन स्टॉप सेंटर के लिए 6, बाल संरक्षण इकाई के लिए 5 और हब्स फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वीमन के लिए 4 कर्मी शामिल हैं। डॉ. मौर्या ने सभी कर्मचारियों को अपने दायित्वों का बेहतर निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।महिला आयोग की सदस्या ने कलेक्ट्रेट कैंपस के पीछे स्थित वन स्टॉप सेंटर श्आप की सखीश (आशा ज्योति केंद्र) का निरीक्षण भी किया। केंद्र की साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। केंद्र में चल रहे इंटरलॉकिंग कार्य को समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। डॉ. मौर्या ने वन स्टॉप सेंटर पर आने वाली महिलाओं और बालिकाओं को सरकारी सुविधाएं निरंतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी मुमताज, महिला थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

ओपीडी की छत का हिस्सा गिरा, मरीजों में मची भगदड़

संवाददाता–देवरिया। महर्षि देवरहवा मेडिकल कॉलेज में शनिवार को एक बड़ा हादसा टल गया। पुराने भवन की ओपीडी में दोपहर के समय छत का जर्जर हिस्सा अचानक टूटकर गिर गया। घटना उस समय हुई जब सीएमएस डॉ. एचके मिश्रा मरीजों को देख रहे थे। छत से मलबा गिरते ही वहां मौजूद मरीजों और उनके परिजनों में अफरा–तफरी मच गई। सौभाग्य से इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ। मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों ने तुरंत गिरे हुए मलबे को हटाया। अस्पताल कर्मियों के अनुसार पुराना भवन काफी जर्जर स्थिति में है। लंबे समय से इसकी मरम्मत नहीं हुई है। इस कारण प्लास्टर और छत के टुकड़े अक्सर गिरते रहते हैं। स्थानीय लोगों ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन से पुराने भवन की तत्काल मरम्मत या वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की है। देवरिया मेडिकल कालेज में संसाधनों.के अभाव में चिकित्सकों को पुराने भवन में बैठना पड़रहा है। सीएमएस डॉ. एचके मिश्रा ने कहा कि घटना की सूचना उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महाव में उतराता मिला मजदूर का शव, सनसनी

संवाददाता–महराजगंज। बरगदवा क्षेत्र के अमहवा व दोगहरा के बीच पुल के पास महाव नाले में शनिवार की सुबह एक शव उतराता हुआ मिला। नाले में भैंस नहलाने गए लोगों की नजर जब शव पर पड़ी तो लोगों ने शव को नाले से बाहर निकाल सूचना पुलिस को दी। पुलिस व फोरेंसिक टीम जांच–पड़ताल में जुट गई। शव की पहचान सुरेंद्र भारती पुत्र रघुनाथ प्रसाद निवासी ग्राम पंचायत गनेशपुर (ब) टोला सगरहवा के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इमलिहवा निवासी सुरेंद्र भारती (28) शुक्रवार को महाव नाले पर चल रहे मरम्मत काम में गांव के कुछ लोगों के साथ मजदूरी करने गया था।

लेकिन सुरेंद्र देर रात तक घर नहीं पहुंचा। परिजनों ने हर संभव जगह उसका पता किया। शनिवार की सुबह महाव नाले में लोग भैंस नहला रहे थे तभी शव पर पड़ी। मृतक सुरेंद्र तीन बहन रीता, पूनम, झिनकी तथा भाई रवि में दूसरे नंबर का था। सुरेंद्र की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। मां–पापा के बुढ़ापे का सहारा था मृतक सुरेंद्र घर का बड़ा बेटा होने के कारण उसके ऊपर घर की पूरी जिम्मेदारी थी। बड़े पुत्र के मौत से बुजुर्ग माता–पिता का रो–रोकर बुरा हाल है। उसकी पत्नी पिंकी बेहाल हो गई है। उसके दो बच्चे शिवा (5) अंकुश (1) हैं। थानाध्यक्ष योगेन्द्र कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की गहनता से जांच–पड़ताल की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

पिता ने अस्पताल में नवजात को पटका

संवाददाता–बलरामपुर। एक पिता ने अपने ही पांच दिन के नवजात बच्चे को अस्पताल में पटककर मारने का प्रयास किया। इस दौरान उसने अपनी पत्नी और ससुर पर भी हमला किया। घटना देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम बराव की है। ग्राम बराव निवासी अरुण कुमार शुक्ला ने देहात कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित महिला संयुक्त जिला चिकित्सालय बलरामपुर में भर्ती है, जहां उसने सोमवार को अपने पहले बच्चे को जन्म दिया था। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी एक वर्ष पहले थाना ललिया क्षेत्र के ग्राम लौकावा निवासी नीरज तिवारी से हुई थी। शादी के कुछ ही समय बाद ससुराल पक्ष उसे प्रताड़ित करने लगा। करीब तीन महीने पहले उसका पति नीरज उसे मुंबई ले गया, जहां वह लगातार मारपीट करता था और इसकी जानकारी घरवालों को भी देता था। जब स्थिति गंभीर हुई तो परिजनों की शिकायत पर पुलिस की मदद से महिला को दो महीने पहले मायके वापस लाया गया।

पूजा पाल को निकालकर सपा ने अच्छा किया –बृजभूषण

संवाददाता–गोण्डा। बाहुबली नेता और भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने विधायक पूजा पाल पर सपा के एक्शन को जायज बताया है। बृजभूषण ने शुक्रवार को गोंडा में कहा, यह सपा का आंतरिक मामला और उनका खुद का निर्णय है। वर्तमान समय में अगर कोई सपा में रहते हुए मुख्यमंत्री और भाजपा शासन की तारीफ करेगा तो स्वाभाविक है कि पार्टी को यह अच्छा नहीं लगेगा।

पूजा पाल ने जो किया, उनकी आत्मा ने उन्हें वैसा करने को कहा। सपा ने जो कार्रवाई की है, वह उसके नियमों के अनुसार है। अब पूजा पाल स्वतंत्र हैं, जिस पार्टी में जाना चाहें, जा सकती हैं। पार्टी ने अनुशासन बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया है। आज कार्रवाई नहीं करेंगे तो कल कोई और भी ऐसा करेगा। पूर्व सांसद ने कहा, पूजा पाल को एक पीड़ा थी, जिस पर योगीजी और भाजपा सरकार ने कार्रवाई की और उन्हें राहत मिली, तो उन्होंने तारीफ की। अब वह सपा में कैसे रह सकती हैं, क्योंकि सपा की अपनी राजनीति है। जो मुख्यमंत्री और भाजपा की तारीफ करेगा, उसके लिए सपा में जगह नहीं है।

भाजपा के 40 क्षत्रिय विधायकों के कुटुंब परिवार बनाए जाने पर बृजभूषण ने कहा– इसे प्रदेश में राजनीतिक बदलाव से न जोड़ा जाए। यह लोगों के मिलने–मिलाने का तरीका है। अच्छा होता कि इसमें और लोग भी रहते। अगर मेरी बात उन तक पहुंचेगी, तो आगे सभी को बुलाया जाएगा। जैसे मैं 1 से 8 जनवरी तक कथा करवाने जा रहा हूं, उसमें हर समाज के लोग रहेंगे। कुटुंब परिवार की अगली बैठक के लिए मिले बुलावे पर पूर्व सांसद ने कहा– जाने में कोई दिक्कत नहीं, लेकिन अपनी बात जरूर रखूंगा। हाल ही में मध्य प्रदेश में क्षत्रिय समाज के कार्यक्रम में भी मैंने कहा था– सबको साथ लेकर चलो। आप राम को मानते हो तो राम जिनको साथ लेकर चले, उन्हें भी साथ लो। आखिर देश को कितने टुकड़ों में बांटोगे? बृजभूषण सिंह ने कांग्रेस पर निशाना साधा। कहा, कांग्रेस को कोई गंभीरता से नहीं लेता। वह अपनी कब्र खुद खोद रही है। हमें कांग्रेस से ज्यादा दुख उनकी हरकतों पर होता है। भाजपा का विरोध करते–करते वे कहीं न कहीं देश का विरोध करने लगते हैं। हिंदुस्तान की राजनीति में हिंदू को गाली देकर राजनीति नहीं की जा सकती। किसी और देश में संभव हो, पर भारत में नहीं।

राहुल गांधी के बयान– 'मैं हिंदू नहीं हूं, मैं धर्म को नहीं मानता' पर बृजभूषण ने कहा– धर्म एक कानून और संविधान है। चोरी, हत्या और लालच को पाप कहना, यही तो धर्म है। अगर आप कहते हैं कि धर्म को नहीं मानते, तो मतलब कानून को भी नहीं मानते। चाहे सनातन धर्म हो या कोई और, सभी अंत में एक ही मोड़ पर मिलते हैं। धर्म को न मानने वाला व्यक्ति आज पार्टी चला रहा है, यह दुर्भाग्य है। आप बताइए कि आप किस धर्म को मानते हैं– हिंदू, मुस्लिम, ईसाई या बौद्ध। यह कहना कि मैं धर्म को नहीं मानता, देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

जीएसटी में दिवाली से पहले राहत पर बृजभूषण ने कहा, हम जीएसटी के विशेषज्ञ नहीं हैं, लेकिन छूट मिल रही है तो अच्छी बात है, देनी चाहिए।

भारत केसरी रामेश्वर ने ढाई मिनट में जीता एक लाख का मुकाबला

संवाददाता–गोरखपुर।। गोरखपुर के बड़हलगंज में सिधुआपार पंचायत भवन पर अखिल भारतीय कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। इस दंगल में यूपी, हरियाणा और दिल्ली समेत कई राज्यों के पहलवानों ने हिस्सा लिया। मुख्य मुकाबले में हाथरस के भारत केसरी रामेश्वर और बलिया के अर्जुन के बीच एक लाख रुपए के इनाम की कुश्ती हुई। रामेश्वर ने महज ढाई मिनट में अर्जुन को चित कर पुरस्कार अपने नाम किया।

दंगल में कुल 90 कुश्तियां हुईं। इनमें से 40 में विजेता निकले, जबकि 50 मुकाबले बराबरी पर रहे। हाथरस के अमन और दिल्ली के सारिक की कुश्ती बराबर रही। डीएलडब्ल्यू वाराणसी के अर्जुन ने मनोज निषाद महाराजगंज को हराया। अन्य मुकाबलों में अनुज कृष्णानगर ने अनूप चतुर को, कुंदन वाराणसी ने टाइगर जीयनपुर को, और अभिषेक ने शिव महाराजगंज को हराया। थाईलैंड चौंपियन आदित्य यादव और रविन्द्र महराजगंज की कुश्ती बराबरी पर समाप्त हुई।

दंगल का शुभारंभ समाजसेवी श्रीनाथ तिवारी ने बजरंगबली के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। आयोजक दिनेश पांडेय ने क्षेत्र के बुजुर्ग पहलवानों को साफा पहनाकर सम्मानित किया। नरेन्द्र प्रताप शाही और पूर्व प्रधान गामा यादव ने कार्यक्रम का संचालन किया। हरेन्द्र सिंह पहलवान, मारकण्डेय यादव, ओमकार यादव और शैलेश यादव निर्णायक की भूमिका में रहे।

जलशक्ति मंत्री ने किया मुक्तिपथ का दौरा

संवाददाता–गोरखपुर।। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने गोरखपुर के बड़हलगंज स्थित मुक्तिपथ और सरयू तट का अनौपचारिक दौरा किया। मंत्री ने मुक्तिपथ को शांति की अनुभूति का स्थल बताया। मुक्तिपथ पर यात्री विश्रामालय और अन्य सामुदायिक सुविधाओं के निर्माण में सहयोग की घोषणा की। उन्होंने नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि और मुक्तिपथ के रखरखाव प्रभारी महेश उमर को इस संबंध में प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। मंत्री के आगमन पर चिल्लूपार के विधायक और मुक्तिपथ के संस्थापक अध्यक्ष राजेश त्रिपाठी ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। मंत्री ने मुक्तिपथ परिसर में लीची का पौधा भी रोपा। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी गोला अमित कुमार जायसवाल, ईओ बड़हलगंज रामसमुख, विधायक प्रतिनिधि आचार्य वेद प्रकाश त्रिपाठी समेत व्यापार मंडल के पदाधिकारी और स्थानीय भाजपा नेता उपस्थित रहे।

कृष्ण जन्माष्टमी पर रामनगरी पहुंचीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, परिवार संग रामलला के दर्शन-पूजन किए

संवाददाता–अयोध्या। कृष्ण जन्माष्टमी पर रामनगरी भी उत्सव में डूबी रहती है और इस दृष्टि से अयोध्या शनिवार को आस्था के केंद्र में थी। श्रद्धालुओं में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी शामिल हुई, उनके साथ परिवार के सदस्य भी रहे। वह हेलीकॉप्टर से अयोध्या पहुंची। पावन सलिला सरयू तथा अयोध्या के महत्वपूर्ण स्थलों का अवलोकन करते हुए राज्यपाल और उनके परिवारजन सांस्कृतिक गौरव का प्रतिमान गढ़ रहे राम मंदिर पहुंचे। राज्यपाल और उनके साथ के लोगों ने मंदिर के भव्य गर्भगृह में विराजमान रामलला का दर्शन और पूजन किया। कृष्ण जन्माष्टमी के चलते शनिवार को रामनगरी में कहीं श्रद्धालु थे और राज्यपाल के आगमन से जुड़ी व्यवस्था से उन्हें दबाव का सामना करना पड़ा। जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में शनिवार को रामलला का विशेष श्रृंगार किया गया । विशेष उत्सव के अनुरूप रामलला को दोपहर में छप्पन भोग प्रस्तुत किया गया। मध्य रात्रि कान्हा के जन्मोत्सव की तैयारी में रामनगरी निमग्न होती है। कनक भवन दशरथ महल मणिराम दास जी की छावनी राम वल्लभाकुंज आदि सहित नगरी के हजारों मंदिर इस भक्ति पूर्ण गायन विशेष भोग तथा आस्था के अन्य आयामों के माध्यम से कृष्ण जन्मोत्सव की छटा बिखेर रहे थे।

ट्रेन से कटकर एक व्यक्ति की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र के चिल्हिया–शोहरतगढ़ के बीच रेलवे लाइन के गौहनिया क्रासिंग के पास शनिवार की सुबह एक व्यक्ति का क्षत–विक्षत शव रेल पटरी के पास मिला। सूचना पर पहुंची चिल्हिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान चिल्हिया थाना क्षेत्र के दहियाड़ गांव निवासी रामू (50) पुत्र अशर्फी के रूप में हुई। आसपास के लोगों का कहना है कि वह कल भी ट्रेन से कटकर जान देने की कोशिश कर रहा था मगर घर वाले पहुंच कर पकड़ लिए और उसे घर लेकर चले गए। उसने किस कारण आत्महत्या की। अभी कुछ पता नहीं चल पाया है। चिल्हिया थाना प्रभारी रामदेव ने बताया कि शनिवार की सुबह गोरखपुर से गोंडा की तरफ जाने वाले ट्रेन से कटकर एक व्यक्ति की मौत हो गई है। वह कल भी आत्महत्या करने की बात कहकर घर से निकला था। घर वाले उसका पीछा करते हुए पकड़कर घर ले आए थे। आज उसका शव रेलवे क्रासिंग के पास क्षत विक्षत अवस्था में मिला। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मारी टक्कर, दंपती की मौत, आरोपी चालक गाड़ी लेकर फरार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। शनिवार को तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार दंपती की मौत हो गई। मृतकों की पहचान भीटी क्षेत्र के मोहमदपुर बेला निवासी रामचरित्र और उनकी पत्नी देवमती के रूप में हुई है। बताया गया कि रामचरित्र शुक्रवार की शाम शाहगंज गए थे। सुबह करीब 6.30 बजे वापस लौट रहे थे। हादसा महरुआ चौराहे पर हुआ। यहां अकबरपुर की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद बाइक सवार दंपती उछलकर दूर जा गिरे। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। उधर, हादसे के बाद डंपर चालक वाहन लेकर भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। प्रभारी निरीक्षक यादवेंद्र सोनकर ने बताया कि तहरीर मिलने पर केस दर्ज करके आगे की कार्रवाई की जाएगी।

धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस समारोह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 15 अगस्त दिन शुक्रवार को हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी आदर्श नगर पालिका परिषद के मोहल्ला शंकर नगर लोहा मंडी में समाज सेवी प्रमोद कुमार हिंदू द्वारा झंडा रोहण किया गया। इस दौरान कन्हैया मोदनवाल, सिद्धांत श्रीवास्तव, शरद वर्मा मनीष वर्मा, सनी अग्रहरि, राकेश वर्मा, ऋषभ और अन्य लोग मौजूद रहे। झंडा रोहण के पश्चात राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत भी गाए गये। स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर प्रमोद कुमार हिंदू ने बताया की हर भारतीय 15 अगस्त के इस खास दिन को स्वतंत्रता दिवस के तौर पर बड़ी धूमधाम एवं उत्साह के साथ मनाता आ रहा है और इस दिन को हमारे देश के इतिहास में एक अमर और अविस्मरणीय दिन माना जाता है, क्योंकि 15 अगस्त 1947 को हमें अंग्रेजों की 200 साल की गुलामी से आजादी प्राप्त हुई। इस वर्ष हमारा देश 79वां स्वतंत्रता दिवस व 78वीं स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ मना रहा है । कार्यक्रम के पश्चात् मिष्ठान वितरण का किया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर महिला थाना प्रभारी को मिला विशेष सम्मान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन में आयोजित मुख्य समारोह में महिला थाना प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पांडे को सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने उन्हें उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिन्ह मेडल, प्रशस्ति पत्र और 10,000 रुपए नगद प्रदान किए।

निरीक्षक पांडे को यह सम्मान पिछले दस वर्षों में कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा और जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने के लिए किए गए कार्यों के लिए दिया गया। एसपी डॉ. महाजन ने कहा कि निरीक्षक पांडे ने महिला अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण किया। साथ ही पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

समारोह में परेड की सलामी और राष्ट्रीय ध्वजारोहण के बाद पुरस्कार वितरण किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद निरीक्षक पांडे ने कहा कि यह सम्मान पूरी महिला थाना टीम का है। उन्होंने इसे अपने कर्तव्यों के प्रति और अधिक समर्पण का प्रेरक बताया।

इस दौरान कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष, सिविल पुलिस और पीएसी के जवान तथा बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। सभी ने महिला थाना प्रभारी को बधाई दी। उपस्थित लोगों ने कहा कि ऐसे सम्मान समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस का पर्व

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती जनपद के श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस का पर्व हॉस्पिटल के डायरेक्टर पंकज चौधरी द्वारा ध्वजारोहण किया गया आपको बताते चले स्वतंत्रता दिवस पूरे जनपद में सरकारी व गैर सरकारी संगठनों द्वारा धूमधाम से मनाया गया। ध्वजारोहण के बाद संबोधित करते हुए हॉस्पिटल के डायरेक्टर पंकज चौधरी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस हम सभी भारतीयों के लिए गर्व का त्यौहार है और इसे बड़े ही उत्साह के साथ मनाना चाहिए उन्होंने कहा कि जिस तरह से शहीदों ने अपनी जान की बाजी लगाकर देश को आजाद कराया और हम सब स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहे हैं हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है कि राष्ट्र के निर्माण में अपना विशेष योगदान अवश्य दें ।इस अवसर पर हॉस्पिटल के जनरल मैनेजर वी के अय्यर वरिष्ठ फिजीशियन डॉक्टर पी पी मिश्रा, डॉ अजीज आलम, डॉक्टर दिनेश चंद्र श्रीवास्तव, राम धीरज चौधरी, दुर्गेश चौधरी, हेमंत चौधरी, मनोज चौधरी, अनिल चौधरी, विमल चौधरी, रमजान ,व जया आर्या सहित बड़ी संख्या में हॉस्पिटल के कर्मचारी मौजूद रहे।

कांस्य पदक विजेता की करंट लगने से मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के महुली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चक महुआ उर्फ मोलनापुर में एक दुखद घटना सामने आई है। यहां कुश्ती के होनहार खिलाड़ी विकास पांडेय की करंट लगने से मौत हो गई। विकास पांडेय संगम पांडेय के बड़े बेटे थे। घटना शुक्रवार को उस समय हुई जब विकास अपने घर के बगल बने पशु वाड़े में मवेशियों के लिए स्टैंड फैन लगा रहे थे। फैन लगाते समय उन्हें करंट का झटका लगा और वे फैन से चिपक गए। परिजनों ने आवाज सुनकर उन्हें किसी तरह फैन से अलग किया। परिजन तुरंत विकास को जिला अस्पताल ले जा रहे थे। लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। विकास ने वर्ष 2023 में मुजफ्फरनगर में आयोजित 67वीं प्रदेशीय कुश्ती प्रतियोगिता में 70 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था। विकास पढ़ाई के साथ–साथ कुश्ती में भी रुचि रखते थे। वे एक दर्जन से अधिक बार प्रदेश भर में आयोजित दंगल में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके थे। परिजनों ने शुक्रवार को ही उनका अंतिम संस्कार कर दिया। जिले का नाम रोशन करने वाले इस युवा खिलाड़ी के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

बेटे ने पिता के सिर पर फावड़े से किया हमला, मौत, बेटा गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। 65 वर्षीय भागवत मिश्रा का शुक्रवार देर रात बेटे राधेश्याम से घर के बंटवारे को लेकर झगड़ा हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि राधेश्याम ने आक्रोश में फावड़े से पिता के सिर पर जोरदार वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से भागवत मिश्रा लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। रजही रामसरिया गांव में शुक्रवार की देर रात घर के बंटवारे को लेकर शुरू हुआ विवाद जानलेवा हो गया। बेटे ने पिता पर सिर पर फावड़े हमला कर दिया। गंभीर हालत में पिता को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई। सुचना पाकर मौके पर पहुंचील एम्स थाने की पुलिस ने मौके से ही आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया। निशानदेही पर फावड़ा भी बरामद कर लिया।

65 वर्षीय भागवत मिश्रा का शुक्रवार देर रात बेटे राधेश्याम से घर के बंटवारे को लेकर झगड़ा हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि राधेश्याम ने आक्रोश में फावड़े से पिता के सिर पर जोरदार वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से भागवत मिश्रा लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। परिवार के अन्य सदस्य उन्हें तत्काल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

घटना की खबर मिलते ही एम्स थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने भी पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि घटना में हत्या में इस्तेमाल किया गया फावड़ा बरामद कर लिया गया है। आरोपित बेटे राधेश्याम से पूछताछ की जा रही है। मृतक की पत्नी और अन्य परिवारजन के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। साक्ष्य और बयानों के आधार पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हिस्ट्रीशीटर से लाखों के जेवरात, नकदी और गैस सिलेंडर बरामद

संवाददाता–संतकबीरनगर। पुलिस ने खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त की पहचान मगहर धोबी टोला निवासी अजय कुमार के रूप में हुई है। गाजीपुर मोहल्ले में 15 दिन पहले राजकुमार के घर में हुई चोरी का मामला सामने आया था। इसमें चोरों ने सोने के गहने और नकदी की चोरी की थी। मगहर चौकी प्रभारी मनीष जायसवाल और कोतवाली पुलिस की टीम ने जांच के बाद अभियुक्त को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में अभियुक्त ने खुलासा किया कि वह अपने एक साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देता था। डेढ़ महीने पहले बंजरिया रोड स्थित बघौली बाजार इंडियन गैस के गोदाम से भी सिलेंडर चोरी किए थे। चोरी के सिलेंडरों को गोरखपुर की सीमा पर ले जाकर ट्रक ड्राइवरों को बेच देता था। पुलिस ने अभियुक्त से सोने के दो मंगलसूत्र, दो अंगूठी, एक जोड़ी झुमकी, एक जोड़ी कान की बाली, चांदी की तीन जोड़ी पायल, दो गैस सिलेंडर और 3100 रुपए नकद बरामद किए हैं। इस मामले में एक आरोपी अभी भी फरार है। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मुताबिक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

नदी में मिला अज्ञात महिला का शव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र में बाणगंगा नदी बैराज के पास एक अज्ञात महिला का शव मिला है। शनिवार दोपहर करीब 1 बजे पुल से 100 मीटर दूर नदी में तैरता शव देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी।

प्रभारी निरीक्षक बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को पानी से बाहर निकलवाया। महिला की उम्र 40 से 45 वर्ष के बीच है। शव पर ब्लाउज और पेटीकोट होने से अनुमान है कि महिला अच्छे परिवार से थी। शव की स्थिति से लग रहा है कि मृत्यु दो दिन पहले हुई है।

पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। मृतका की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस ने आसपास के थानों को सूचना भेज दी है। स्थानीय स्तर पर भी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

घटना की खबर फैलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। कुछ लोगों का मानना है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है। कुछ ने हत्या की आशंका जताई है। मौत के सही कारणों का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से चलेगा। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

224 करोड़ की सीवरेज योजना पूरी, नगर निगम नहीं ले रहा चार्ज

संवाददाता–गोरखपुर। राजीव दत्त पांडेय अमृत मिशन के तहत 224 करोड़ की लागत से बनी सीवरेज योजना जोन सी–02, पार्ट–01 पूरी तरह तैयार हो चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 19 अप्रैल को इसका लोकार्पण भी कर दिया है, लेकिन चार महीने बीत जाने के बावजूद नगर निगम ने अब तक इस योजना की परिसंपत्तियों को अपने अधीन नहीं लिया है। इस लापरवाही का खामियाजा इस सुविधा से जुड़े 12,876 घरों में रहने वाले वाशिंदों को भुगतना पड़ सकता है। इन लाभार्थियों के घरों में कभी भी सीवर बैकफ्लो की स्थिति बन सकती है। योजना के तहत नेताजी सुभाष चंद्र बोस नगर में बनाए गए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और मेन पंपिंग स्टेशन (एमपीएस) की देखरेख की जिम्मेदारी अभी तक जल निगम के पास है। नगर निगम ने इसे न तो तकनीकी रूप से हैंडओवर लिया और न ही संचालन की जिम्मेदारी निभा रहा है। इस कारण एसटीपी का बिजली बिल समय पर नहीं जमा हो पा रहा है। अब तक करीब 30 लाख रुपये का बिजली बिल बकाया हो खड़ा है। यदि भुगतान नहीं हुआ तो प्लांट बंद करना पड़ेगा। सीवर नेटवर्क में जमा पानी लोगों के घरों में ब्लैक फ्लो हो सकता है। परियोजना से छह वार्डों को लाभ योजना के तहत गोरखनाथ मंदिर के आसपास के 06 प्रमुख वार्ड माधोपुर, अंधियारी बाग, सूर्यकुंड धामनगर, रसूलपुर, पुराना गोरखपुर और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के रहवासियों को सीधा लाभ पहुंचा है। इन वार्डों में तकरीबन 70 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन, 10 एमएलडी का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, 40 एमएलडी का पंपिंग स्टेशन और 12,876 घरों के सीवर कनेक्शन से जोड़े गए हैं। परियोजना से इन वार्डों की करीब 62 हजार की आबादी को सीवरेज नेटवर्क से जोड़ा गया है। नदी भी हो रही है साफ, फिर भी उदासीनता परियोजना के तहत रोहिन नदी में गिरने वाले तीन प्रमुख नालों बंसियाडीह, सुभाष नगर, ग्रीन सिटी फेज–2 को सीवर नेटवर्क से जोड़ा गया है। ताकि नदी में गिरने वाला प्रदूषित जल सीवेज ट्रीटमेंट से गुजर कर नदी में गिरे और जल की गुणवत्ता में सुधार आए। फिर भी नगर निगम की ओर से योजना का जिम्मा लेने में कोई रुचि नहीं दिखाई जा रही है।

सफाई कर्मचारी ने की आत्महत्या

संवाददाता–गोरखपुर।। पिपराइच थाना क्षेत्र के चिउटहा के दूबे टोला में एक सफाई कर्मचारी ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान दिलीप कुमार (35) के रूप में हुई। वह पंचायती राज विभाग में सफाई कर्मचारी के पद पर पिपराइच ब्लॉक के ग्राम पंचायत बनरही में कार्यरत थे।

सड़क हादसों में मासूम समेत चार की मौत, नौ घायल

संवाददाता–गोरखपुर।। जिले में हुए अलग–अलग सड़क हादसों में मासूम समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। वहीं मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गीडा इलाके के जीरो प्वाइंट के पास बाइक सवारों को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में चिलुआताल के महराजगंज चौक निवासी आफताब आलम (30) की मौत हो गई। जबकि, उनके भाई अख्तर हुसैन घायल हो गए। दोनों भाई बाइक से रिश्तेदारी से लौट रहे थे कि रास्ते में हादसा हो गया। घायल को भर्ती कराया गया।

शुक्रवार की रात तेज रफ्तार वाहन के चपेट में आने से आठ वर्षीय मासूम की मौत हो गई। चौरी चौरा थाना क्षेत्र के बाल बुजुर्ग गांव के निवासी बलवंत व उनकी पत्नी प्रमिला नंदानगर में किराए के मकान में रहते थे। बलवंत राजभर मजदूरी का काम करता है मृतक की मां प्रमिला देवी लोगों के घरों में चूल्हा चौका झाड़ू पोछा करती है। शुक्रवार की रात लगभग 8रू30 बजे सचिन टहलते हुए प्राइवेट बस स्टेशन नंदानगर के पास पहुंच गया था। इसी दौरान कुशीनगर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार वाहन ने सचिन राजभर को ठोकर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। महावनखोर प्रतिनिधि के मुताबिक, कैंपियरगंज क्षेत्र के सोनौली हाइवे के महावनखोर ओवरब्रिज पर कार और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में चिलुआताल के दहला गांव निवासी बाइक सवार रामप्रसाद की मौत हो गई। खोराबार के सूबा बाजार में शुक्रवार की दोपहर तीन बजे के करीब ब्लॉक मुख्यालय के सामने सड़क पार रहे युवक को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में शाहपुर थाना क्षेत्र के बसारतपुर निवासी एडवोकेट कृष्ण कुमार गौड़ की पत्नी ममता की मौत हो गई। कृष्ण कुमार परिवार संग कार से जा रहे थे कि रास्ते में हादसा हो गया। घायल शुभी, पांच वर्षीय बच्ची को भर्ती कराया गया। गगहा के राउतपार चौक पर शुक्रवार को बाइक सवार तीन लोगों को ट्रक ने टक्कर मार दी।

हादसे में तीनों घायल हो गए। घायलों की पहचान प्रिया यादव (22), प्रियंका यादव (20) निवासी बेलसडी बड़हलगंज व चन्द्रशेखर (20) निवासी मझवलिया बड़हलगंज के रूप में हुई। बेलघाट कस्बा में हुए सड़क हादसे में आंबेडकर नगर के जैतपुर निवासी आलोक घायल हो गए।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com